दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 281

ग्वालियर, गुरुवार 30 जून 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

रिलायंस की रिटेल यूनिट की कमान लाड़ली बेटी ईशा को सौंप सकते हैं मुकेश अंबानी

अनंत को ग्रीन एनर्जी बिजनस का जिम्मा सौंपा जा सकता

मुंबई। एशिया और भारत के दूसरे सबसे बड़े अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी ने अपनी उत्तराधिकार योजना को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है। इसके पहले चरण में उन्होंने अपने बड़े पुत्र आकाश अंबानी को टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो की अहम जिम्मेदारी सौंपी है। रिपोर्ट के मुताबिक अगले चरण में मुकेश अंबानी अपनी बेटी ईशा को रिलायंस की रिटेल यूनिट की कमान दे सकते हैं। साथ ही 27 साल के अनंत को ग्रीन एनर्जी बिजनस का जिम्मा सौंपा जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक 30 साल की ईशा को रिटेल बिजनस का चेयरमैन बनाने की घोषणा जल्दी ही होगी है। अभी वह रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) में डायरेक्टर हैं। हालांकि रिलायंस ग्रुप के प्रतिनिधि ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। रिलायंस रिटेल और जियो 217 अरब डॉलर के कारोबार वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का हिस्सा हैं। यह देश की सबसे मूल्यवान

कंपनी है और मुकेश अंबानी इसके चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। इसके पहले आकाश को रिलायंस जियो का चेयरमैन बनाया गया था। ईशा और आकाश उस टीम का हिस्सा थे जिसने कंपनी में मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक) के निवेश में अहम भूमिका निभाई थी। ईशा ने येल यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। इसके बाद ईशा ने आगे की पढ़ाई कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से की। यहां से उन्होंने एमबीए की डिग्री ली है। ईशा कुछ दिनों तक बिजनस एनालिस्ट के तौर पर काम कर चुकीं हैं। ईशा साल 2015 में वह फैमिली बिजनस में शामिल हुई थीं। वह जियो प्लेटफॉर्म्स, जियो लिमिटेड के बोर्ड में भी शामिल हैं। उनकी शादी दिसंबर 2018 में कारोबारी अजय पीरामल के बेटे आनंद पीरामल से हुई थी। रिलायंस रिटेल देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है। कंपनी के वित्तीय परिणामों के मुताबिक रिलायंस रिटेल का स्टाफ 70 फीसदी बढ़ कर 3 लाख 61 हजार हो गया है। रिटेल और अन्य बिजनस में कुल मिलाकर रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 2 लाख 10 हजार नई नौकरियां दी हैं। पिछले वित्त वर्ष में रिलायंस रिटेल ने रोजाना करीब 7 नए स्टोर्स के हिसाब से कुल 2500 से अधिक स्टोर्स खोले। सिर्फ पिछली तिमाही में ही कंपनी ने 793 नए स्टोर्स अपने पोर्टफोलियो में जोड़े हैं। कंपनी के स्टोर्स की कुल संख्या 15 हजार के पार पहुंच गई है।

यूरोप में सुरक्षा मजबूत करने के लिए अपने सैनिकों की संख्या बढ़ाएगा अमेरिका: बाइडन

मैड्रिड। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए अमेरिका यूरोप में अपनी फौज बढ़ा रहा है। नाटो महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग से मुलाकात में बाइडन ने कहा, ''नाटो मजबूत और एकजुट है और हम सम्मेलन में कदम उठा रहे हैं, हमारी सामूहिक शक्ति को और बढ़ा रहे हैं।''बाइडन ने कहा कि अमेरिका पोलैंड में एक स्थायी मुख्यालय स्थापित कर रहा है, दो अतिरिक्त एफ-35 लड़ाकू विमान के बेड़े ब्रिटेन भेज रहा है और जर्मनी तथा इटली में भी और अधिक वायु रक्षा तथा अन्य क्षमता वाली प्रणालियां भेजेगा। बाइडन ने कहा, ''आज मैं घोषणा कर रहा हूं कि अमेरिका यूरोप में अपने बल की मौजूदगी बढ़ाएगा तथा बदलते सुरक्षा परिदृश्य में वह सक्रियता दिखाएगा और हमारी सामूहिक सुरक्षा को पुख्ता करेगा।'' उन्होंने कहा, ''हम पोलैंड में एक स्थायी मुख्यालय, अमेरिकी पांचवी सैन्य कोर स्थापित करने जा रहे हैं और पूरे पूर्वी क्षेत्र में अमेरिका-नाटो अंतर-सक्रियता को मजबूत कर रहे हैं।''

तालिबान के साथ बेहतर संबंध विकसित करने पर काम कर रहा रूस: पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस तालिबान के साथ संबंध बनाने की कोशिश कर रहा है और मॉस्को चाहता है कि अफगानिस्तान में सभी जातीय समूह देश को चलाने में शामिल हों। पुतिन का यह बयान ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान के साथ बैठक में आया। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद पुतिन की पहली विदेश यात्रा के दौरान हुई। ताजिकिस्तान में एक रूसी सैन्य अड्डा है। इसकी अफगानिस्तान के साथ एक लंबी सीमा है और उसे इस बात की चिंता है कि इस्लामी कट्टरवाद कहीं देश में न फैल जाए। ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में पुतिन ने कहा हम सबकुछ कर रहे हैं ताकि उस देश में स्थिति सामान्य हो सके। हम स्थिति को नियंत्रित करने वाली राजनीतिक ताकतों के साथ संबंध बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इस आधार पर काम कर रहे हैं कि अफगानिस्तान में सभी जातीय समूहों को, जैसा कि पहले ही कहा जा चुका है, देश को चलाने में उचित रूप से भाग लेना चाहिए। हालांकि रूस तालिबान को एक आतंकवादी समूह के रूप में नामित करता है, तालिबान का रूस में प्रतिनिधित्व है और एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में सेंट पीटर्सबर्ग अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच में हिस्सा लिया था।

उदयपुर हत्याकांड के बाद रांची में हाई अलर्ट, जगन्नाथपुर रथयात्रा के चलते साढ़े 3 हजार अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात

रांची। भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा का समर्थन करने पर उदयपुर में एक व्यक्ति की गला काटकर हत्या कर दी गई है। इस घटना के बाद पूरे देश में तनाव पैदा हो गया है। झारखंड की राजधानी रांची में भी पुलिस-प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। रांची में भी बीते 10 जून को नुपुर शर्मा प्रकरण को लेकर हिंसा और उत्पात हुआ था। इसके बाद शहर में लगभग 10 दिनों तक तनाव की स्थिति बनी रही थी।

इस दौरान हुई हिंसा में घायल आधा दर्जन लोगों का अब भी अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इनमें से एक को एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उदयपुर की घटना के बाद पुलिस मुख्यालय ने सतर्कता को लेकर अलर्ट जारी किया है। रांची और आसपास के मंदिरों और मस्जिदों की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। संदिग्ध लोगों से पूछताछ और चेकिंग का अभियान भी शुरू किया गया है। निर्देश दिया है कि रांची के जगन्नाथपुर में आगामी एक जुलाई से आयोजित होनेवाले रथयात्रा मेला में सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस और सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए। बताया जा रहा है कि रांची में लगभग साढ़े तीन हजार अतिरिक्त पुलिस-सुरक्षा बल की

तैयारी की गयी है। इधर 10 जून को रांची में हुई हिंसा में बच्चों के इस्तेमाल पर राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने झारखंड के मुख्य सचिव सहित संबंधित प्रदेशों के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर एनआइए जांच की अनुशंसा की है। उन्होंने कहा है कि सांप्रदायिक हिंसा के ऐसे मामलों में बच्चों का उपयोग करना गैरकानूनी है। इधर राज्य सरकार की ओर से इस मामले के लिए गठित दो सदस्यों वाली उच्चस्तरीय जांच समिति ने मामले की जांच के क्रम में कई लोगों को तलब किया है। समिति ने मीडिया से भी घटना से जुड़ी वीडियो और फोटो 29 जून तक उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

अग्निपथ स्कीम पर भिड़ गए जयराम रमेश और मनीष तिवारी

नई दिल्ली। अग्निपथ योजना को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। वहीं विपक्ष ने भी इसे मुद्दा बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश की। कांग्रेस के बड़े नेता अब भी अग्निपथ योजना की आलोचना करने से नहीं चूकते हैं। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनीष तिवारी ने इस योजना की तारीफ कि और अपना समर्थन भी जताया। उन्होंने %अग्निपथ% को आधुनिकीकरण की व्यापक प्रक्रिया का एक हिस्सा बताया। कांग्रेस ने सांसद मनीष तिवारी के इस लेख में व्यक्त किए गए विचारों से दूरी बना ली है। कांग्रेस ने कहा है कि यह योजना न केवल राष्ट्रहित बल्कि युवाओं के भविष्य से भी खिलवाड़ है। इस लेख को लेकर कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेता भिड़ गए। कांग्रेस के कम्युनिकेशन हेड जयराम रमेश ने ट्विटर पर लिखा, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने अग्निपथ पर लेख लिखा है। कांग्रेस एक लोकतांत्रिक दल है। यह कहना जरूरी है कि ये विचार उनके अपने हैं और पार्टी से इसका कोई मतलब नहीं है। पार्टी मानती है कि यह योजना राष्ट्र की सुरक्षा और युवाओं के खिलाफ है जिसे बिना चर्चा के ही थोप दिया गया है। जयराम रमेश के ट्वीट के बाद मनीष तिवारी ने भी ट्विटर पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, लेख की टैग लाइन में ही लिखा है कि ये लेखक के निजी विचार हैं। मेरा मानना है कि जयराम रमेश जी ने आर्टिकल को शुरू से आखिरी तक पढ़ा होगा। आप इसे यहां देख सकते हैं। बता दें कि ऐसा दूसरी बार हुआ है जब कि कांग्रेस ने इस योजना को लेकर मनीष तिवारी के विचारों से दूरी बनाई है। पहले भी मनीष तिवारी ट्वीट करके योजना का समर्थन कर चुके हैं। तब भी कांग्रेस ने बयान जारी कर इसे उनका निजी विचार बताया था। बता दें कि 16 जून को मनीष तिवारी ने पहली बार अग्निपथ का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था, सच यह है कि भारत को युवाओं की फौज की जरूरत है जो कि तकनीकी ज्ञान में भी अग्रणी हो और आधुनिक हथियारों का प्रयोग जानती हो।

असम में बाढ़ के हालात बिगड़े, अब तक 139 लोगों की मौत, सिलचर के अधिकांश इलाके हफ्ते भर से जलमग्न

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति और अधिक बिगड़ गई है। अधिकारियों ने बताया है कि अब भी 24.92 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कछार के सिलचर शहर में ज्यादातर इलाके हफ्ते भर से अधिक समय से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ से कछार में तीन और मोरीगांव और धुबरी में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में इस साल बाढ़ से जुड़े हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 139 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार तीन अन्य लोग लापता हैं। जिनमें कछार में दो और चिरांग जिले का एक व्यक्ति गायब है।

पिछले 24 घंटे में राज्य के 28 जिलों में 24.92 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सोमवार को 22 जिलों में 21.52 लाख लोग पीड़ित थे। जबकि ब्रह्मपुत्र, बेकी, कोपिली, बराक और कुशियारा खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जबकि अन्य नदियों में जल स्तर घट रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए बेजली जिले के कुवारा में तटबंध में टूट वाली जगह का दौरा किया। उन्होंने ट्वीट किया कि 'कालदिया नदी के पानी से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति तथा उससे हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी रंजीत कुमार दास के साथ बेजली के पताचारकुची में कुवारा का दौरा किया।

पहुमारा नदी के तटबंध को मजबूत करने और उस पर सड़क निर्माण के लिए नौ करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। सिलचर में पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा की। असम मिशन निदेशक लक्ष्मी प्रिया के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक दल ने भी प्रभावित लोगों के लिए उचित चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए शहर का दौरा किया। एनएचएम द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल स्टाफ को तैनात किया गया है तथा विभिन्न राहत केंद्रों में बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य शिविर शुरू किए गए हैं। दिन में कुल 7,212 लोगों की जांच की गई और जो बहुत बीमार पाए गए उन्हें अस्पताल भेजा गया। सिलचर में एक सप्ताह से अधिक समय से पानी भरा हुआ है।

उदयपुर घटना के आरोपी इस्लाम और इंसानियत दोनों के सबसे बड़े दुश्मन : नकवी

नई दिल्ली। उदयपुर में दर्जी की धारदार हथियार से निर्मम हत्या की केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने निंदा की है। उन्होंने घटना को अंजाम देने वालों को शैतानी तालिबान और इंसानियत का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंसानियत के खिलाफ 'तालिबानी बर्बरता और शैतानी क्रूरता' करने वाले ना तो इस्लाम के हैं, ना ईमान वाले हैं बल्कि यह 'शैतानी तालिबान' वाले हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री नकवी ने कहा कि इंसानियत के खिलाफ तालिबानी क्रूरता और शैतानी जुर्म ना कोई ईमान वाला कर सकता है, न इस्लाम वाला। यह तालिबानी सोच वाला ही

कर सकता है। उदयपुर में घटना को अंजाम देने वाले विकृत मानसिकता के लोग हैं और इसतरह के लोग इस्लाम और इंसानियत दोनों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने कहा, ऐसी तालिबानी क्रूरता और शैतानी अपराध' को कोई भी कम्युनिटी, देश, कौम, बर्दाश्त नहीं कर सकती। ऐसी विकृत मानसिकता वाले लोग इस्लाम और इंसानियत दोनों के सबसे बड़े दुश्मन हैं। नकवी ने कहा कि हमें ऐसी किसी भी साम्प्रदायिक साजिश से सावधान रहना होगा, जो हिन्दुस्तान की ताकत को तार-तार करने का प्रयास कर रही है। हमें सभी को मिलकर ऐसी मानसिकता और मंसूबों को परास्त करना होगा। इससे पहले, अजमेर दरगाह के दीवान जैनुल आबेदीन अली खान ने उदयपुर की घटना की निंदा कर कहा कि भारत के मुसलमान देश में तालिबानी मानसिकता को कभी भी स्वीकार नहीं करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी धर्म मानवता के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा नहीं देता है।

देश में जल्द उपलब्ध हो सकती है सर्वाइकल कैंसर और टाइफाइड की वैक्सीन

सरकार के सलाहकार समूह ने की वैक्सीनेशन शुरू करने की सिफारिश

नई दिल्ली। देश में सर्वाइकल कैंसर और टाइफाइड की वैक्सीन जल्दी ही उपलब्ध हो सकती है। सरकार के सलाहकार समूह एनटीएजीआई ने इनके टीकों से जुड़े आंकड़ों की जांच पड़ताल के बाद इनका वैक्सीनेशन शुरू किए जाने की सिफारिश की है, सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ ये देश की पहली वैक्सीन होगी। सर्वाइकल कैंसर भारत में 15 से 44 वर्ष की आयु की महिलाओं में दूसरा सबसे ज्यादा होने वाला कैंसर है। ऐसे में यह वैक्सीन बहुत मददगार साबित हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक,

टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के एक एचपीवी कार्य समूह ने 8 जून को अपनी बैठक में टीके की उपयोगिता की पड़ताल की थी। इस दौरान राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करने के मकसद से इन टीकों के क्लिनिकल परीक्षण के आंकड़ों का आंकलन किया गया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति ने इसके बाद 15 जून को टीके की मार्केटिंग की मंजूरी देने की सिफारिश की। हालांकि ड्रग कंट्रोलर डीसीजीआई की मंजूरी का अभी इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया के सरकार एवं नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने भारत के औषधि महानियंत्रक को इस वैक्सीन की मंजूरी के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के समर्थन से चरण 2/3 क्लिनिकल परीक्षण पूरा होने के बाद देश में इसकी शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बाजार में उतारने की मंजूरी मांगी है।

खास खबर

बेटी से बलात्कार करने के आरोप में पिता को उम्र कैद की सजा

अमरोहा। अमरोहा में रेप के आरोपी पिता को कोर्ट ने महज 14 दिन के भीतर उम्र कैद की सजा सुना दी। साथ ही आरोपी पिता पर 53 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विशेष (पॉक्सो एक्ट प्रथम) अवधेश कुमार की अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत में चार्जशीट फाइल होने के 6 दिन के भीतर सजा सुनने का प्रदेश में यह पहला मामला है। अमरोहा जनपद में डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने 14 जून की रात पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि पिता ने अपनी नाबालिग बेटी के साथ डरा-धमका कर दुष्कर्म किया था। सात माह से वह लगातार दुष्कर्म करता आ रहा था। बेटी के गर्भवती होने पर इसकी जानकारी परिवार को हुई थी। अल्ट्रासाउंड कराने पर सात माह के गर्भ की पुष्टि हुई थी। आरोपी पिता 50 वर्षीय व्यक्ति ईंट-भट्ठा पर मजदूरी करता था। पीड़िता द्वारा थाने में शिकायत के बाद पिता को गिरफ्तार कर लिया गया था। पीड़िता ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया था कि जब भी परिजन घर से बाहर होते थे, तभी वह अपनी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करता था। किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी देता था। इसी बीच किशोरी गर्भवती हो गई. पुलिस ने आरोपी पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उस गिरफ्तार कर 15 जून को जेल भेज दिया था। मुकदमे की विवेचना एसएसआइ सुक्रमपाल राणा कर रहे थे। मात्र पांच दिन में उन्होंने ठोस विवेचना कर 20 जून को अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। 23 जून को अदालत ने सुनवाई शुरू कर छठे दिन विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम अवधेश कुमार सिंह ने पिता को दोषी करार देकर उम्रकैद की सजा सुनाई है।

भाजपा ने विश्वासमत से पहले शिवसेना के बागी विधायकों की सुरक्षा की मांग की

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने राज्य सचिवालय के प्रधान सचिव राजेंद्र भागवत से मुलाकात कर शिवसेना के बागी विधायकों को सुरक्षा देने का आग्रह किया जो 30 जून को विधानसभा में विश्वासमत प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए राज्य में आने वाले हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे नीत सरकार को गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे विश्वासमत का सामना करने का निर्देश दिया है। विधानभवन परिसर में मुनगंटीवार ने कहा, हमने भागवत और महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल से मुलाकात कर सदस्यों को सुरक्षा देने की मांग की। हमने अधिकारियों से सदन में विधायकों के बैठने की व्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा, राज्य के कुछ विधायकों को स्पष्ट रूप से धमकी दी गई है। लोकतंत्र को बचाना है और इसलिए हमने अधिकारियों से आवश्यक कदम उठाने को कहा है। इससे पहले बुधवार को पार्टी के नेताओं ने नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फडणवीस के यहां स्थित आवास पर उनसे मुलाकात की।

कांवड़ियों की मदद के लिए 175 कैंप लगाएगी दिल्ली सरकार

हरिद्वार। दिल्ली सरकार कांवड़ियों की सुविधा के लिए 175 शिविर स्थापित करवाएगी, ताकि कांवड़ यात्रा 2022 के दौरान उन्हें कोई असुविधा ना हो। कोविड-19 महामारी के कारण कांवड़ यात्रा इस साल 14 जुलाई से 26 जुलाई तक दो साल के अंतराल के बाद आयोजित की जाएगी। कांवड़िया (भगवान शिव के भक्त) यात्रा के तहत अपने क्षेत्रों के शिव मंदिरों में गंगाजल चढ़ाने के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगाजल लेकर आते हैं। इस यात्रा का ज्यादातर हिस्सा कांवड़िए पैदल तय करते हैं। दिल्ली सरकार के अधिकारियों के मुताबिक मंगलवार को यहां दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों की बैठक हुई। यह निर्णय लिया गया कि कांवड़ियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएं। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सरकार कांवड़ियों के लिए 175 शिविर लगवाएगी। वहीं उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने सोमवार को कहा था कि राज्य में आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जाएगी और करीब 10,000 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। साथ ही एक अन्य अधिकारी ने कहा कि बैठक में संभागीय आयुक्त, 11 राजस्व जिलों के जिलाधिकारियों और स्वास्थ्य और सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। जबकि बैठक में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने कहा कि कोविड प्रतिबंध हटने के बाद गतिविधियों को फिर से शुरू करने के बाद, आयोजनों में भीड़ बढ़ गई है। और इसलिए, इस बार कांवड़ियों की भारी संख्या में आने की उम्मीद है।

न्यूज ट्रैक....

क्वालालंपुर में ब्राजील की जैवलीन लिमा व शमिया लिमा महिलाओं के दुगल मुकाबले में भाग लेती हुई।

रोहित की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर सकते हैं कोहली, पंत कप्तानी को लेकर परिपक्व नहीं

नई दिल्ली । रोहित शर्मा के कोरोना पॉजिटिव होने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी कौन करेगा यह बड़ा सवाल है भारत और इंग्लैंड के बीच पुनर्निर्धारित टेस्ट 1 से 5 जुलाई के बीच एजबेस्टन में होगा। वैसे टीम इंडिया में ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह वे खिलाड़ी हैं जो रोहित की गैरमौजूदगी में टीम की कप्तानी कर सकते हैं। लेकिन वहीं जब कप्तानी के अनुभव की बात की जाती है, तब दोनों क्रिकेटर पीछे नजर आते हैं। इसके बाद विराट कोहली एक मात्र विकल्प हैं। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया का कहना है कि इंग्लैंड के विरुद्ध टेस्ट मैच में विराट कोहली कप्तानी का सबसे अच्छा विकल्प हैं। हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 टी–20 मैचों की सीरीज में ऋषभ पंत ने टीम इंडिया की कप्तानी की। इस दौरान पंत कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर फ्लॉप रहे। वह सिर्फ सीरीज में सिर्फ 58 रन बना सके। दक्षिण अफ्रीका शुरुआत में 2–0 की लीड लेने में सफल रहा। हालांकि बाद में टीम इंडिया ने जोरदार वापसी कर सीरीज 2–2 से ड्रॉ की। कनेरिया का मानना है कि पंत कप्तान के रूप में परिपक्व नहीं हैं। कनेरिया ने कहा, पंत कप्तान बनने के लिए प्रयाप्त रूप से परिपक्व नहीं हैं। उन्हें साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कप्तानी करने का मौका मिला लेकिन सफल नहीं रहे।

नस्ली टिप्पणी करने वाले चालक का अनुबंध रद्द

मिल्टन केन्स । फार्मूला वन टीम रेड बुल ने नस्लीय टिप्पणी करने के मामले में दोषी पाये गये एस्टोनियाई फार्मूला वन रिजर्व चालक जूरी विप्स का अनुबंध हमेशा के लिए रद्द कर दिया है। रेड बुल टीम ने इससे पहले विप्स को आपत्तिजनक भाषा के लिए जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया था। विप्स ने हालांकि इस मामले में माफी भी मांगी थी। रेड बुल ने टवीट किया, 'जूरी विप्स से जुड़ी ऑनलाइन घटना की जांच के बाद ओरेकल रेड बुल रेसिंग ने अपने टेस्ट और रिजर्व ड्राइवर के रूप में जूरी का अनुबंध रद्द कर दिया है। साथ ही कहा कि टीम नस्लवाद को किसी भी प्रकार से सहन नहीं कर सकती।

हुडा का शतक, सैमसन ने लगाया अर्धशतक

भारतीय टीम ने दूसरे टी20 में आयरलैंड को हराकर सीरीज जीती

डुबलिन । युवा बल्लेबाज दीपक हुडा के शतक से भारत ने दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में मेजबान आयरलैंड को चार रनों से हराकर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली है। दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हुडा के 104 रनों और संजू सैमसन के अर्धशतक 77 रनों की मदद से सात विकेट पर 225 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान आयरलैंड की टीम निर्धारित ओवरों में पांच विकेट पर 221 रन ही बना पायी।

आयरलैंड की ओर से कप्तान एंडी बालबर्नी ने 60, पॉल स्टर्लिंग ने 40, हैरी टेक्टर ने 28 गेंद में और जॉर्ज डॉकरेल ने 16 नाबाद 34 रन बनाए। भारत की ओर से तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम को जीत के लिए 17 रन नहीं बनाने दिये।

इस मैच में भारतीय पारी का आकर्षण हुडा का शतक रहा। अब वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। हुडा की पारी बेहद आक्रामक रही। उन्होंने 57 गेंद में नौ चौके और छह छक्के लगाकर 104 रन बनाये। इससे पहले रोहित शर्मा, लोकेश राहुल और सुरेश रैना ही टी20 प्रारूप में भारत के लिए शतक बनाये हैं।

वहीं ऋतुराज गायकवाड़ की जगह उतरे सैमसन ने भी उनका अच्छा साथ देते हुए 42 गेंद में नौ चौकों और चार छक्कों की सहायता से 77 रन बनाकर अपने को साबित किया है। इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ईशान किशन तीन रन बनाकर ही आउट हो गये। इसके बाद हुडा और सैमसन ने 176 रनों की शतकीय साझेदारी कर भारतीय टीम को संभाला। बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव 15 रन जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या 13 रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत ठीक रही। स्टर्लिंग और बालबर्नी ने पहले विकेट के लिए 34 गेंदों में 72 रन बनाये। स्टर्लिंग ने भुवनेश्वर कुमार के पहले ही ओवर में तीन चौके और एक छक्के सहित 18 रन बनाये। आयरलैंड के 50 रन चार ओवर में ही बन गए। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने स्टर्लिंग को आउट किया। वहीं बालबर्नी ने अपने पचास रन पूरे किया। वह हर्षल का शिकार बने। इसके बाद टेक्टर, डॉकरेल और मार्क अडायर ने आयरलैंड ने अंतिम ओवर तक संघर्ष किया पर वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान मोर्गन ने खेल को अलविदा कहा

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। मोर्गन की कप्तानी में ही इंग्लैंड टीम ने साल 2019 में पहली बार एकदिवसीय विश्वकप जीता था। इंग्लैंड क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने मोर्गन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने अपनी और आने वाली पीढ़ियों के लिए खेलने के तरीके को बदल दिया। खेल में उनकी विरासत को आने वाले कई सालों तक महसूस की जाएगी। मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम के नाम एकदिवसीय मैचों के 3 बड़े स्कोर है। वह हालांकि पिछले कुछ समय से अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये थे। नीदरलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में वह खाता नहीं खोल सके जबकि तीसरे मैच में चोट के कारण टीम से बाहर रहे थे। इस 35 साल के खिलाड़ी ने पिछले डेढ़ साल में टी-20 अंतरराष्ट्रीय और एकदिवसीय की 48 पारियों में केवल एक अर्धशतक ही लगाया था। इस क्रिकेटर ने कहा कि संन्यास का फैसला करना आसान नहीं था पर मेरा मानना है कि मेरे लिये ऐसा करने का यही सही समय है। मोर्गन इंग्लैंड की उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने 2010 में टी-20 विश्व कप खिताब जीता था। उनकी कप्तानी में टीम 2016 में टी-20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। मोर्गन के नाम सबसे ज्यादा वनडे 225 और 115 टी20 मैचों के साथ ही सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड भी है। वहीं पूर्व ऑलराउंडर मोईन अली भी अपने पूर्व कप्तान के इस फैसले

विराट से प्रेम प्रस्ताव करने वाली वाली इंग्लिश क्रिकेटर संग लंदन में लंच डेट कर रहे अर्जुन तेंदुलकर

लंदन । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली को 2014 में प्रेम प्रस्ताव देने के बाद चर्चा में आई इंग्लिश क्रिकेटर डेनियल वेट इन दिनों सचिन तेंदुलकर के बेटे संघ प्रेम की पींगे बढ़ा रही हैं। आधी रात को ट्विटर पर एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए विराट को प्रपोज करने वाली डेनियल वेट ने तहलका मचा दिया था। अब वही डेनियल वेट इंग्लैंड महिला टीम की सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में शामिल हैं और अर्जुन तेंदुलकर की अच्छी फ्रेंड भी हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे फिलहाल अपने इसी दोस्त के साथ लंदन की सैर कर रहे हैं और लंच डेट पर भी गए। सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर डेनियल वेट ने अर्जुन की एक रेस्टोरेंट में लंच करते वक्त की तस्वीर को इंस्टाग्राम पर स्टेटस लगाया है। यह तस्वीर अब सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोर रही है। उसमें अर्जुन लंच करते दिख रहे हैं। बता दें कि वेट अर्जुन की बड़ी प्रशंसक हैं। वह कई बार सचिन के बेटे की बॉलिंग की तारीफ कर चुकी हैं। उन्होंने 2020 में कहा था कि दिन प्रतिदिन अर्जुन की गेंदों को खेलना मुश्किल होता जा रहा है।

पोलैंड में महिला विश्व कप यूईफए क्वालीफायर फुटबॉल मुकाबले में खेलती हुई यूक्रेन ओर हंगरी की खिलाड़ी।

भारत-पाकिस्तान सीरीज का रिकॉर्ड टूटा, इंग्लैंड बना नंबर वन

नई दिल्ली । भारत और इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने टीम इंडिया के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल में संपन्न हुए टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम ने 3-0 से क्लीन स्वीप सुपड़ा साफ किया। सीरीज की खास बात यह रही कि इंग्लैंड के बल्लेबाज किसी भी पारी में दबाव में नहीं दिखाई दिए। इंग्लैंड ने तीनों टेस्ट लक्ष्य का पीछा करते हुए जीता। टिम साउदी, काइल जैमिसन, ट्रेंट बोल्ट और नील वैगनर की चौकड़ी ने पिछले साल न्यूजीलैंड को इंग्लैंड की धरती पर ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का पहला खिताब दिलाया था। लेकिन एक साल बाद इन्हीं तेज गेंदबाजों की इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने जमकर पिटाई की है।

टेस्ट क्रिकेट में चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा मुश्किल होता है। शुरुआत में किसी टीम के दो-तीन विकेट गिर जाने पर टीम ड्रॉ की ओर देखने लगती है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में सभी टीमें टेस्ट क्रिकेट में हार या जीत के लिए खेल रही हैं। भारत ने भी साल 2020-21 में ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आक्रामक क्रिकेट के जरिए टेस्ट सीरीज 2-1 से जीती थी। अब इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अब चौथी पारी में लक्ष्य का पीछा करने का स्टाइल बदला है। लॉर्ड्स में हुए पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 78.5 ओवर में 279 रनों का लक्ष्य हासिल किया। जो रूट ने 115 और बेन स्टोक्स ने 54 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड ने करीब 3.5 की रनरेट से स्कोर का पीछा किया।

इसके बाद अगले 2 टेस्ट मैचों में जॉनी बेयरस्टो ने अकेले न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के नाक में दम कर दिया। दूसरा मुकाबला नॉटिंघम में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 299 रनों का लक्ष्य का था। बेयरस्टो ने 92 गेंदों में 136 और बेन स्टोक्स ने 70 गेंदों में 75 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड ने इस लक्ष्य को 50 ओवर हासिल कर लिया। इसके बाद तीसरे टेस्ट में भी बेयरस्टो ने 162 और नाबाद 71 रनों की पारी खेली। लीड्स में हुए टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने सिर्फ तीन विकेट खोकर 54.2 ओवर में 296 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड-न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान इंग्लिश बल्लेबाज ने रन रेट के मामले में पाकिस्तान के 16 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच साल 2006 में पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने 4.35 के रनरेट से रन बरसाया था। तब पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से जीत हासिल की थी। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 4.54 की रनरेट से रन बनाए हैं।

व्यापार न्यूज

रुपया डॉलर के मुकाबले 78.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई । विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली के चलते निवेशकों की भावना कमजोर होने से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 11 पैसे की गिरावट के साथ 78.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर रुख के साथ 78.86 पर खुला। बाद में स्थानीय मुद्रा और कमजोर होकर 78.96 पर आ गई, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट दर्शाता है। यह डॉलर के मुकाबले रुपए का अब तक का सबसे निचला स्तर है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 48 पैसे टूटकर 78.85 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.88 प्रतिशत गिरकर 116.94 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.42 पर था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 1,244.44 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आईएमएफ ने पाकिस्तान का आर्थिक पैकेज बहाल करने सख्त शर्तें लगाईं

इस्लामाबाद । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान का आर्थिक पैकेज बहाल करने के लिए बिजली दरें बढ़ाने और पेट्रोलियम उत्पादों पर कर लगाने जैसी सख्त शर्तें लगाई हैं। इससे पहले नकदी के संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने आईएमएफ के साथ एक समझौता किया था जिससे उसका रुका हुआ 6 अरब डॉलर का सहायता पैकेज बहाल हो जाए। मीडिया में आई खबरों में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि आईएमएफ ने पाकिस्तान से कहा है कि वह एक भ्रष्टाचार निरोधी कार्यबल का गठन करे जो सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बनाए गए वर्तमान कानूनों की समीक्षा करे। एक अखबार की खबर में कहा गया कि इन शर्तों के पालन के बाद आईएमएफ कर्ज को मंजूरी देने और कार्यक्रम को बहाल करने के पाकिस्तान के अनुरोध को कार्यकारी निदेशक मंडल के समक्ष पेश करेगा। इस प्रक्रिया में एक और महीने का वक्त लग जाएगा। आईएमएफ ने जो नई शर्तें लगाई हैं उनमें बिजली दरें बढ़ाना शामिल है।

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक बाजार के दबाव में बुधवार को कमजोर शुरुआत की है। सेंसेक्स और निफ्टी बड़ी गिरावट पर खुलने के बाद लगातार लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स एक बार फिर 53 हजार से नीचे चला गया है। सेंसेक्स शुरुआत में 554 अंकों की बड़ी गिरावट के साथ 52,623 पर खुला, जबकि निफ्टी ने 148 अंकों के नुकसान के साथ 15,702 पर खुलकर शुरुआत की। निवेशकों में शुरुआत से ही निगेटिव सेंटिमेंट दिखा और बाजार में जमकर मुनाफावसूली हुई। बुधवार के कारोबार में निवेशक शुरुआत से ही एचयूएल, इंडसंड बैंक, हिंडाल्को, विप्रो, ब बजाज फिनसर्व, नेस्ले और डॉ रेडडी जैसी कंपनियों के शेयर बेच रहे थे। लगातार बिकवाली से इन स्टॉक्स में बड़ी गिरावट दिखी और ये टॉप लूजर की श्रेणी में आ गए। इसके अलावा टेक महिंद्रा, एलएंडटी, एशियन पेंट के शेयरों में भी गिरावट दिखी. दूसरी ओर ओएनजीसी, टाटा कंज्यूमर और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस जैसी कंपनियों के शेयरों ने तेजी पकड़ी और ये टॉप गेनर की सूची में शामिल हो गए। बाजार में गिरावट से आज बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप भी 0.94 फीसदी के नुकसान पर कारोबार कर रहा है।आज के कारोबार में सभी सेक्टर्स में गिरावट आई है लेकिन निफ्टी बैंक, आईटी, मेटल, पीएसबी और फाइनेंशियल सेक्टर में सबसे ज्यादा नुकसान दिख रहा है। ये सेक्टर एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट पर कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, फार्मा, तेल एवं गैस सेक्टर में मामूली गिरावट दिख रही है.।

सेंसेक्स 550 अंक टूटा, निफ्टी 15,700 पर

अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की संभावनाओं के बाद बैंकिंग स्टॉक्स में खासी मजबूती देखी जा रही है। यही कारण कि पिछले सत्र में अमेरिका के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में रौनक दिखी। डाउ जोंस 0.48 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ जबकि एसएंडपी 500 में 0.27 फीसदी का उछाल आया। इसके अलावा नेस्डेक ने भी 0.23 फीसदी की बढ़त पर कारोबार बंद किया। अमेरिका की तर्ज पर यूरोपीय बाजारों में भी खूब रौनक दिखी. यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजार बढ़त पर बंद हुए। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 0.35 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ, जबकि फ्रांस के शेयर बाजार ने 0.64 फीसदी की बढ़त बनाई। इसी तरह, लंदन स्टॉक एक्सचेंज भी पिछले सत्र में 0.90 फीसदी के जोरदार उछाल के साथ बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बड़ी गिरावट

मुंबई । एशिया के ज्यादातर शेयर बाजार बुधवार सुबह गिरावट पर खुले और लाल निशान में ही कारोबार कर रहे हैं। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 1.08 फीसदी के नुकसान पर है तो जापान का निक्केई 1.15 फीसदी टूटकर कारोबार कर रहा है। ताइवान के शेयर बाजार में 1.18 फीसदी की गिरावट दिखी रही तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 1.68 फीसदी गिरकर ट्रेडिंग कर रहा है। चीन के शंघाई कंपोजिट पर भी 0.05 फीसदी की गिरावट दिख रही है। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशकों के धन निकालने का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। पिछले सत्र में भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजार से 1,244.44 करोड़ के शेयर बेचकर पैसे निकाल लिए। हालांकि, इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 1,205.63 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की, जिससे बाजार किसी बड़ी गिरावट से बच गया।

सोना और चांदी की कीमत में आई गिरावट

मुंबई । वैश्विक बाजार में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में मांग घटने से बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी देखी जा रही है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर बुधवार सुबह 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 2 रुपए गिरावट के साथ 50,820 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत 50,779 रुपए के स्तर पर हुई थी लेकिन घरेलू बाजार में मांग घटने से इसकी कीमतों में गिरावट देखी गई। चांदी की मांग में बुधवार को कमी आई जिससे इसकी वायदा कीमत भी घटाकर 60 हजार से काफी नीचे चली गई है। एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 213 रुपए गिरकर 59,326 रुपए प्रति किलोग्राम रहा। इससे पहले चांदी में ट्रेडिंग की शुरुआत 59,280 रुपए के भाव पर हुई थी। चांदी का मौजूदा वायदा भाव अपने पिछले बंद से करीब 0.36 फीसदी नीचे चल रहा है। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी की सप्लाई पर लगातार असर दिख रहा है। यही कारण है कि पिछले कुछ समय से यहां सोने की कीमत में उछाल आया है। बुधवार के कारोबार में भी सोने की हाजिर कीमत 1,821.88 डॉलर प्रति औंस पहुंच गई, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.19 फीसदी ज्यादा है।

ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर हुआ

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार उछाल आना शुरू हो गया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर के आसपास पहुंच रहा है, जबकि ओपेक अपना उत्पादन बढ़ाने में आनाकानी कर रहे हैं। इस बीच सरकारी तेल कंपनियों ने बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल के खुदरा रेट भी जारी कर दिए। कंपनियों ने बुधवार को भी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जबकि वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव 118.6 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई का भाव 112.5 डॉलर पहुंच गया है। पेट्रोलियम कंपनियों का कहना है कि महंगे कच्चे तेल का दबाव लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर, तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक की इस सप्ताह होने वाली बैठक में उत्पादन और बढ़ाने पर चर्चा होगी।

देश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल प्रतिबंधित

बेवरेज कंपनियां प्लास्टिक स्ट्रॉ के साथ अपने उत्पादों को नहीं बेच पाएंगी

नई दिल्ली । देश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित हो जाएगा। सरकार के इस फैसले की वजह से पैक्ड जूस, सॉफ्ट ड्रिंक्स और डेयरी प्रोडक्ट बनाने और बेचने वाली कंपनियों को तगड़ा झटका दिया है। एक जुलाई से इस प्रतिबंध के लागू होने के बाद बेवरेज कंपनियां प्लास्टिक स्ट्रॉ के साथ अपने प्रोडक्ट को नहीं बेच पाएंगी। इसलिए अमूल, मदर डेयरी और डाबर जैसी कंपनियों ने सरकार से निवेदन किया था कि वो अपने फैसले को कुछ समय के लिए टाल दें। प्लास्टिक के साथ ईयर-बड, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक के झंडे, कैंडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, सजावट के लिए पॉलीस्टाइनिन (थर्मोकोल) प्लेट, कप, गिलास, कांटे, चम्मच जैसी वस्तुओं के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लग जाएगा। भारत सरकार ने कूड़ा-करकट वाले सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

स्ट्रॉ पर निर्भर बड़ा कारोबार- देश के सबसे बड़े डेयरी समूह अमूल ने कुछ दिन पहले सरकार को पत्र लिखकर प्लास्टिक स्ट्रॉ पर लगने वाले प्रतिबंध को टालने का अनुरोध किया था। अमूल ने कहा था कि सरकार के इस फैसले से दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश के किसानों और दूध की खपत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पांच रुपए से 30 रुपए के बीच की कीमत वाले जूस और दूध वाले प्रोडक्ट्स का भारत में बड़ा कारोबार है। अमूल, पेप्सिको, कोका-कोला, मदर डेयरी जैसे तमाम कंपनियों के पेय पदार्थ प्लास्टिक स्ट्रॉ के साथ ग्राहकों तक पहुंचते हैं। इस वजह से सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगने वाले बैन से बेवरेज कंपनियां परेशान हैं। सरकार ने साफ तौर पर कंपनियों से वैकल्पिक स्ट्रॉ पर स्विच करने को कह दिया है। कंपनियों की मुश्किलें- पारले एग्रो, डाबर और मदर डेयरी जैसे डेयरी प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियां पेपर स्ट्रा का आयात शुरू कर चुकी हैं। हालांकि, प्लास्टिक स्ट्रॉ के मुकाबले पेपर स्ट्रॉ की लागत अधिक पड़ रही है, लेकिन उत्पादों की बिक्री जारी रखने के लिए कंपनियां इसका सहारा ले रही हैं। मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मनीष बंदलिश ने कुछ समय पहले कहा था कि हम पेपर स्ट्रॉ का आयात करेंगे।

सहकारी बैंकों को भी डीबीटी से जोड़ेगी सरकार

नई दिल्ली । अब जल्द ही सहकारी बैंकों के ग्राहकों को भी केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके लिए सहकारी बैंकों को डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी)से जोड़ा जाएगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। 52 मंत्रालयों की ओर से संचालित 300 योजनाओं के लाभ डीबीटी के जरिये लाभार्थियों तक पहुंचाए जा रहे हैं। शाह ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में हुए सुधारों से देश के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिल रहा है। जनधन योजना के चलते 45 करोड़ नए लोगों का खाता खुला है। ऐसे 32 करोड़ लोगों को रूपे डेबिट कार्ड मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि का संकल्प से इसे पूरा करने में मदद मिली है। देश की समृद्धि और आर्थिक उत्थान में सहकारिता क्षेत्र का अहम योगदान होगा। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए करोड़ों नए खातों का डिजिटल लेन देन एक ट्रिलियन डालर को भी पार कर गया है।

सहकारी बैंकों के ग्राहकों को भी केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ

वर्ष 2017-18 के डिजिटल लेन-देन के मुकाबले इनमें 50 गुना की बढ़ोतरी हुई है। सहकारी बैंकों के डीबीटी से जुड़ने से नागरिकों के साथ और संपर्क बढ़ेगा और सहकारिता क्षेत्र मजबूत होगा। गुजरात स्टेट को-आपरेटिव एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट बैंक (खेती बैंक) के 71वें वर्ष में प्रवेश पर केंद्रीय सहकारिता मंत्री शाह ने बधाई देते हुए बैंक के ऐतिहासिक महत्व का विस्तार से जिक्र किया। साहूकारों के चंगुल से बचाने में इस बैंक ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। अमित शाह ने कहा कि आरबीआइ और नाबार्ड ने बैंकिंग के जितने मानदंड बनाए हैं, उन सभी मानकों पर खेती बैंक ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

कैटरीना कैफ को पहले हुई थीं ऑफर दीपिका स्टारर 3 सुपरहिट फिल्में

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की ए लिस्ट एक्ट्रेस में से एक हैं. वह अपनी शानदार परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत चुकी हैं. कैटरीना कैफ सभी बेस्ट डायरेक्टर की पहली पसंद होती हैं. हम सब ही उनकी फिल्म्स को खूब एंजॉय करते हैं लेकिन क्या आपको पता है कैटरीना कैफ को कुछ सुपरहिट फिल्में ऑफर हुई थी. अगर कैटरीना इन फिल्मों के लिए हां कह देती तो वह आज एक अलग मुकाम पर होती. कैटरीना कैफ की वजह से दीपिका पादुकोण के हाथ कुछ ऐसी फिल्में लगीं जिन्होंने उनका करियर बना दिया था. दीपिका पादुकोण की सुपरहिट फिल्में पहले कैटरीना कैफ को ऑफर हुई थी मगर उन्होने उसके लिए मना कर दिया जिसके बाद यह दीपिका पादुकोण के हाथ लग गई थीं. इन फिल्मों ने दीपिका के करियर को एक अलग मुकाम पर पहुंचा दिया है. शाहरुख खान की चेन्नई एक्सप्रेस सुपरहिट साबित हुई थी. इस फिल्म में दीपिका पादुकोण का मीनम्मा का किरदार बहुत पसंद किया गया था. पर क्या आपको पता है इस फिल्म के लिए दीपिका पहली पसंद नहीं थी. इस फिल्म में मेकर्स शाहरुख के साथ कैटरीना कैफ को कास्ट करना चाहते थे. रिपोर्ट के मुताबिक कैटरीना कैफ ने इस फिल्म के लिए भाषा और एसेंट की वजह से मना कर दिया था. उसके बाद यह फिल्म दीपिका के हाथ लगी और उन्होंने अपने किरदार से फिल्म में जान डाल दी. दीपिका पादुकोण की फिल्म बाजीराव मस्तानी ने इतिहास रच दिया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म पहले कैटरीना को ऑफर हुई थी लेकिन उन्होंने मना कर दिया था. रिपोर्ट्स की माने तो संजय लीला भंसाली हम दिल दे चुके सनम में सलमान खान-ऐश्वर्या जैसा मैजिक दोबारा अपनी फिल्म में चाहते थे लेकिन दोनों के ब्रेकअप की वजह से ये होना मुश्किल था।

रवीना टंडन ने फिल्म दामन की पुरानी तस्वीर की साझा

कल्पना लाजमी की 2001 में आई फिल्म दामन के लिए रवीना टंडन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। रवीना ने सोशल मीडिया पर फिल्म दामन को याद करते हुए एक थ्रोबैक यानी पुरानी तस्वीर साझा की। अभिनेत्री ने फिल्म से जुड़ी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इसमें वह दुल्हन के रूप में तैयार हुई नजर आ रही हैं और काफी खूबसूरत लग रही हैं। अभिनेत्री ने तस्वीर के साथ ही हैशटैग थ्रोबैक और हैटशैट दामन का उपयोग भी किया। दामन - ए विक्टिम ऑफ मैरिटल वायलेंस फिल्म 4 मई 2001 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सयाजी शिंदे, संजय सूरी और राहुमा सेन भी हैं। रवीना जल्द ही अरण्यक वेब सीरीज में अपना डिजिटल डेब्यू करने वाली हैं, जिसमें वह एक पुलिसकर्मी की भूमिका में दिखाई देंगी। हालांकि उन्होंने अभी अपनी भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन सीरीज के बारे में कहा जा रहा है कि इसमें दो पुलिस अधिकारी एक अपराध की गुत्थी को सुलझाते हुए दिखाई देने वाले हैं। अभिनेत्री बहुभाषी फिल्म केजीएफ - चैप्टर 2 में भी दिखाई देंगी, जिसमें रॉकी के रूप में कन्नड़ स्टार यश की वापसी हो रही है।

समलैंगिक किरदार निभाने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ी:अंशुमान झा

अभिनेता अंशुमान झा ने आगामी फिल्म हम अकेले हैं तुम अकेले में एक समलैंगिक लड़के की भूमिका निभाई है, और उनका कहना है कि वह रूढ़ियों और कैरीकेचर से बचने के लिए सावधान रहते थे, जो अक्सर फिल्मों में समलैंगिक पात्रों के चित्रण के साथ होते हैं। अंशुमान ने बताया, एक अभिनेता के रूप में मेरी जिम्मेदारी है कि जब मैं समलैंगिक चरित्र निभा रहा हूं, जब मुझे चित्रण के प्रति अतिरिक्त सावधान और संवेदनशील होना चाहिए मैं वीर (उनकी भूमिका) रूढ़िबद्ध तरीकों से नहीं निभाना चाहता। ईमानदारी से कहूं तो एक समलैंगिक व्यक्ति को संवेदनशीलता के साथ निभा एक वास्तविक चुनौती थी और मैंने एक निश्चित मात्रा में शोध किया और लोगों से बातचीत की। मेरे एलजीबीटीक्यू समुदाय में दोस्त भी हैं, इसलिए मुझे एक निश्चित मात्रा में जानकारी है।

जो चीज हमें कहीं न कहीं तोड़ती हैं, वही हमें एकजुट करती हैं : कृति सेनन

कृति सेनन ने एक नए वीडियो में निराशा के उज्जवल पक्ष की बात की है। वह कहती हैं कि जो चीज लोगो को तोड़ती है वह उन्हें एकजुट भी करती है। कृति ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें देखा गया कि कैसे लोग जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए अपनी क्षमता से परे जा रहे थे। वीडियो में वह कहती हैं, जो चीज हमें कहीं न कहीं तोड़ती हैं, वह हमें एकजुट करती हैं। आज जब मैं चारों ओर देखती हूं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी जाति क्या है या धर्म क्या है, पेशा है, अमीर या गरीब, आप किस राज्य से हैं कुछ भी मायने नहीं रखता। इसके अंत में हम हैं। बस सभी इंसान जो एक दूसरे के दर्द को महसूस कर सकते हैं और पहचान सकते हैं। वह आगे कहती हैं, जब हमें किसी की जरूरत होती है तो हम भयानक महसूस करते हैं और हम उस शब्द को फैलाने और उस व्यक्ति की मदद लेने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। हम दान कर रहे हैं, हम एक दूसरे की पीड़ा और दर्द को समाप्त करने का तरीका जानने की कोशिश कर रहे हैं। कृति ने वीडियो शेयर करके कैप्शन लिखा, मैं कोशिश करती हूं और हर चीज में एक सिल्वर लाइनिंग देखती हूं अंधेरे में रोशनी की एक किरण, बुरे में अच्छी हां मैं वह व्यक्ति हूं मैं और मेरी तन्हाई अक्सर बातें किया करते हैं। बस ऐसा लगा जैसे मैंने आज के बेड टाइम थॉट को साझा किया गया है नाइट डियर डायरी होने के लिए धन्यवाद। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म भूमि की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसमें वरुण धवन भी हैं। फिल्म अमर कौशिक द्वारा निर्देशित है, और फिल्म अगले साल 14 अप्रैल को रिलीज होने की उम्मीद है। भेड़िया के अलावा, कृति फिल्म मिमी में नजर आएंगी, जो सरोगेसी पर आधारित है। वह एक्शन कॉमेडी फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार के साथ, और एक्शन ड्रामा गणपत में टाइगर श्रॉफ के साथ हैं।

क्या आप जानते हैं कि दूध को पॉवरहाउस बेवरेज के रूप में क्यों जाना जाता है? जानिए 5 वजहें

पहले के समय में दूध एक प्रधान वस्तु रही है. लाखों साल पहले दूध का सेवन करने का तरीका अलग था. हर घर में नजदीक के गौशाला से दूध इकट्ठा करके ताजा दूध का सेवन किया जाता था. ये भारत में एक लोकप्रिय परंपरा थी क्योंकि लोग मानते थे कि एक विश्वसनीय स्रोत से ताजा दूध प्राप्त करना उनकी जिम्मेदारी है.

हालांकि,ग्लोबलाइजेशन की वजह से, चीजें बदल गई और दूध को पैक करके लोगों के घर-द्वार तक पहुंचाया जाने लगा. हम सभी दूध का सेवन करते हैं, लेकिन आबादी का एक बड़ा हिस्सा पास्चुरीकृत दूध का सेवन करता है, जो बहुत पौष्टिक नहीं हो सकता है, इसलिए आजकल हम बहुत से लोगों को दूध का सेवन करने के लिए ए2 देसी गाय के दूध और डेयरी उत्पादों से बदलते हुए देखते हैं. अब, उपभोक्ताओं के बहुत बड़े हिस्से ने दूध का सेवन करना बंद कर दिया है क्योंकि वो दूध का स्वाद पसंद नहीं करते हैं, या लैक्टोज इनटोलरेंट हैं, या शायद एक निश्चित आहार पर, हालांकि, बहुत सारे न्यूट्रीशन एक्सपर्ट्स कहते हैं कि दूध का सेवन करने से बहुत सारे स्वास्थ्य लाभ होते हैं और हर एक को अपने आहार में डेयरी प्रोडक्ट्स को शामिल करना ही चाहिए. दूध में बहुत ही अच्छे पोषक तत्व होते हैं जो कैल्शियम और प्रोटीन सहित बढ़ते शरीर को सपोर्ट करने में मदद करते हैं. दूध पीने के कई महत्वपूर्ण फायदे हैं जिनकी अक्सर अनदेखी की जाती है. आज हम आपको यहां इसके 5 वजह बता रहे हैं कि दूध का पोषण और गुणवत्ता क्यों महत्वपूर्ण है?

1. पोषक तत्व: अगर एक कोई सभी पोषक तत्वों को एक साथ नहीं खा सकता है तो वो निश्चित रूप से दूध पी सकते हैं. दूध में जरूरी पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर को चाहिए. ये सफेद ड्रिंक 9 जरूरी पोषक तत्वों का पॉवरहाउस है, जिनमें कैल्शियम, पोटेशियम, फास्फोरस, हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन, विटामिन ए, डी और बी 12, राइबोफ्लेविन और नियासिन.

2. डाइजेस्ट: भारत में बहुत सारे लोग भोजन के पचने और पाचन से संबंधित समस्याओं की शिकायत करते हैं. दूध इस समस्या को हल करता है क्योंकि पेट के लिए इसे पचाना आसान होता है. ये हर एक के लिए एक पौष्टिक भोजन का काम करता है.2 दूध एक बेहतरीन ऑप्शन है जिसे लोग स्विच करने के लिए देख सकते हैं, खासकर ऐसे लोग जो पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करते हैं.2 दूध नियमित पाश्चुरीकृत दूध की तुलना में पचाने में आसान है.

3. प्रोटीन: दूध न केवल पोषक तत्वों से भरपूर होता है बल्कि प्रोटीन में भी हाई होता है. एक गिलास दूध में 8ग्र प्रोटीन होता है. ये प्रोटीन मानव शरीर के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वो हमारी मांसपेशियों और सेल्स को बनाए रखने और उन्हें काम करने के क्रम में बेहतरीन बनाए रखने में मदद करते हैं. दूध में बीटा कैसिइन नामक प्रोटीन होता है जो वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है. बीटा कैसिइन के 2 प्रकार होते हैं-.1 और.2. ए2 दूध में ए2 बीटा-कैसिइन होता है जो मां के दूध के समान होता है और आपके शरीर के विकास में फायदेमंद होता है.

4. बीमारियों से लड़े: वर्षों से, लोग कहते रहे हैं कि एक सेब डॉक्टर को आपसे दूर रखता है जो कि सच है लेकिन दिन में एक गिलास दूध पीने से बीमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है. शोधकर्ताओं ने पता लगाया है कि दूध कई बीमारियों के जोखिम कारक को कम करने में मदद करता है. जैसे ये स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर होने के जोखिम को कम करता है।

शाहिद की इस आदत से जब परेशान हुई मीरा

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत वैसे फिल्मों से काफी दूर हैं लेकिन उनकी लोकप्रियता किसी एक्ट्रेस से कम नहीं है। मीरा और शाहिद बॉलीवुड के चार्मिंग कपल के तौर पर जाने जाते हैं। यह जोड़ी अपनी बेहतरीन कमेस्ट्री की वजह से हमेशा चर्चा में रहती है। मीरा राजपूत का लाइफ स्टाइल भी अभिनेत्रियों जैसा है। मीरा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस से अपनी बातें शेयर करती रहती हैं। साथ ही वह अपनी फोटोज भी अक्सर शेयर करती रहती हैं जिसे उनके फैन्स खूब पसंद करते हैं और अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। हाल ही में मीरा राजपूत ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर में वह अपने पति और अभिनेता शाहिद कपूर के बिखरे पड़े जूते और मोजे देखकर परेशान हैं। मीरा ने तस्वीर के साथ एक पोस्ट भी लिखी है जिसमें वह संकेत दे रही है कि शाहिद कपूर वर्कआउट के बाद इसी तरह जूते-मोजे घर पर फैलाकर रखते हैं। उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा-क्या सभी आदमी ऐसे ही होते हैं?' बता दें कि एक बार शाहिद कपूर के भाई और मीरा राजपूत के देवर ईशान खट्टर ने भी इस बात का खुलासा किया था कि उनकी भाभी के घर पर जूतों को लेकर बड़े सख्त नियम हैं। ईशान ने यह बात नेहा धूपिया के शो 'नो फिल्टर नेहा' में कही थी। शो में ईशान ने कहा था 'वह जूतों को लेकर बहुत सख्त हैं। यह कमरे के बीच में नहीं होना चाहिए।

शरीर के रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है पका हुआ केला, जानें अन्य कमाल के फायदे

केला अन्य फलों की अपेक्षा अधिक पौष्टिक होता है, साथ ही उर्जा का अच्छा विकल्प भी। लेकिन इसके अलावा भी केले में कई गुण होते हैं, जो आपकी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। अक्सर जब आप बाजार से केले लाते हैं तो वे एक या दो दिन में ही पक जाते हैं। ऐसे में आपको उसके उपर काले धब्बे दिखाई देते हैं।ऐसे में आप उन्हें खराब समझकर बाहर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वास्तव में आप जिसे खराब समझ रहे हैं, वह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। आईए जानें कैसे-

पका हुआ केला खाने से उसके गुणों की मात्रा सामान्य से कई गुना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, पका केला खाने से कैंसर की बीमारी आपसे कोसों दूर रहती है।

हाई ब्लड प्रेशर: अगर आपको हाई ब्लड प्रेशर की समस्या रहती है तो भी आपको पके हुए केले का सेवन अवश्य करना चाहिए।

डिप्रेशन से राहत: कई रिसर्च से साफ हुआ है कि केले का सेवन डिप्रेशन के रोगियों को आराम देता है। केले में ऐसा प्रोटीन पाया जाता है जो आपको रिलेक्स फील कराता है। यही कारण है कि डिप्रेशन का मरीज जब भी केले का सेवन करता है तो उसे राहत मिलती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता: केले में पाए जाने वाले तत्व आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित करते हैं। जिसके कारण आप बहुत सी बीमारियों से स्वत: ही बच जाते हैं।

कार्तिक आर्यन को छोड़ विक्की कौशल पर आया जाह्नवी कपूर का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने धड़क फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी. इस फिल्म के लिए जाह्नवी को मिली जुली प्रतिक्रिया भी क्रिटिक्स से मिली थी. लेकिन वह अपनी छाप छोड़ने में कामयाब हुई थीं. एक्ट्रेस की तुलना हमेशा ही उनकी दिवंगत मां एक्ट्रेस श्रीदेवी से की जाती है. लेकिनजाह्नवी कपूर ने ऐसा खुलासा किया है जिससे उनके फैंस हैरान रह गए हैं. फिल्म धड़क से डेब्यू करने के बाद 'गुंजन सक्सेना' और 'रूही' में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी है. अपनी अब तक की सभी फिल्मों में एक्ट्रेस ने अलग अलग तरह के रो ल्स किये हैं. वह फिल्म मेकर्स की पसंद बन रही हैं. रिपोर्ट के अनुसार कुछ वक्त पहले जाह्नवी कपूर एक चैट शो में पहुंची थीं. यहां एक्ट्रेस ने हर एक सवाल का जवाब बहुत ही सूझबूझ के साथ दिया. लेकिन इसी दौरान उन्होंने एक चौंकाने वाला खुलासा भी किया है. दरअसल इस शो के दौरान जब उनके पूछा गया कि वह किसी मेल एक्टर को किस करना चाहती हैं, तो एक्ट्रेस के जवाब पर सभी की निगाह टिक गई है. खबर के अनुसार जाह्नवी कपूर ने जिस एक्टर का नाम लिया वह थे विक्की कौशल. ऐसे में साफ है कि हैंडसम हंक विक्की के साथ जाह्नवी जरूर कोई फिल्म भी करना चाहती हैं. हालांकि अभी तक दोनों ने साथ में कोई भी फिल्म नहीं की है. हालांकि दोनों एक एड में साथ में काम जरूर कर चुके हैं. वहीं जब जाह्नवी ने धड़क में ईशान खट्टर के साथ डेब्यू किया था दोनों के अफेयर की खबरें सामने आई थीं. हालांकि ये खबरें बाद में निराधार निकली थीं. विक्की कौशल का नाम बीते काफी दिनों से बॉलीवुड अदाकारा कटरीना कैफ के साथ जुड़ा हुआ है. विक्की कौशल और कटरीना कैफ की डेटिंग की खबरें लंबे टाइम से आ रही हैं. दोनों एक दूसरे के घर के बाहर भी देखा गया है।

इस्लाम के दुश्मन हैं ये हत्यारे

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कल उदयपुर में जिस तरह एक हिंदू दर्जी कन्हैया की दो मुसलमानों ने हत्या की है, उससे अधिक लोमहर्षक घटना क्या हो सकती है? इस घटना की खबर टीवी चैनलों पर देखकर सारे देश के रोंगटे खड़े हो गए। इसके पहले भी सांप्रदायिक

मूढ़ता के चलते कई इसी तरह की छोटी-मोटी घटनाएं कई मजहबी लोग एक-दूसरे के खिलाफ करते रहे हैं लेकिन यहां असली सवाल यही है कि ऐसा घृणित काम करके ये लोग क्या अपने धर्म या मजहब या संप्रदाय की इज्जत बढ़ाते हैं? बिल्कुल नहीं। ये लोग अपने कुकृत्य के कारण अपने धर्म और अपने धार्मिक महापुरुषों को कलंकित करते हैं। जिन दो मुसलमान युवकों ने उदयपुर के उस निहत्थे हिंदू दर्जी की हत्या की है, वे इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के भक्त नहीं, पक्के दुश्मन हैं। दर्जी का दोष यही है कि उसने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान का समर्थन कर दिया था। अभी तक लोगों को यह पता नहीं है कि प्रवक्ता ने वह बयान क्यों दिया था और उसमें किन शब्दों का प्रयोग किया गया था? सिर्फ कुप्रचार और अफवाहों पर भरोसा करके कोई हत्या-जैसा संगीन अपराध कर दे, इससे क्या संकेत मिलता है? यदि किसी व्यक्ति ने किसी मजहब या उसके महापुरुष पर उंगली उठाई है तो भी क्या उस व्यक्ति की हत्या उसका सही जवाब है? नहीं। इसका उल्टा है। यदि उस व्यक्ति के गलत तथ्यों को मजबूत तर्कों से काटा जाता तो वह सही जवाब होता। उसकी हत्या करके तो आप उसके द्वारा बोली गई अनर्गल बात को करोड़ों लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं। यह संतोष का विषय है कि अनेक मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने कन्हैया के हत्यारों की दो-टूक भर्त्सना की है और उन्हें कठोरतम दंड देने की अपील की है। इन हत्यारों को हफ्ते-दो-हफ्ते में ऐसी भयंकर सजा मिलनी चाहिए कि जो सारी दुनिया के लिए सबक बन जाए। यदि कन्हैया को राजस्थान पुलिस की सुरक्षा कुछ दिन और मिली होती तो इस भयानक हादसे से शायद बचा जा सकता था लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हत्यारों को तुरंत पकड़ने और शांति बनाए रखने के लिए काफी मुस्तैदी दिखाई है। क्या संयोग है कि इधर कन्हैया की हत्या हुई और उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर पहुंचे। मुझे आश्चर्य है कि जिन अरब देशों ने भाजपा प्रवक्ता के पैगंबर संबंधी बयान को लेकर तूफान खड़ा किया था, अभी तक इस हत्याकांड के बारे में उनकी कोई प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई? यह संतोष का विषय है कि इस हत्याकांड को लेकर भारत का हिंदू समुदाय भयंकर दुखी तो है लेकिन उसने अभी तक कोई हिंसक प्रतिक्रिया नहीं की है। देश के लगभग सभी मुसलमान इस क्रूर हत्याकांड को निंदनीय मानते हैं। यह ऐसा नाजुक मौका है, जब भारत के सभी लोगों को सैकड़ों-हजारों वर्ष पहले उनके धर्मग्रंथों में कही गई पोंगापंथी बातों की उपेक्षा करनी चाहिए और अपने सार्वजनिक जीवन में भारतीय संविधान को सर्वोपरि मानना चाहिए।

श्रीरामकथा के अल्पज्ञात दुर्लभ प्रसंग

डॉ. नरेन्द्रकुमार मेहता

श्रीराम द्वारा सरयू के दो खण्ड करना तथा सीताजी का सरयू-गंगा संगम पर पूजा का प्रण पूरा करना श्रीराम रावण को मारकर मोक्षदायिनी अयोध्यानगरी में रहकर नीतिपूर्वक, निष्कंटक राज्य करने लगे। उनके राज्य में कभी भी अकाल नहीं पड़ा और चोरी की घटना भी नहीं होती थी। किसी का अकाल या कुत्सित मरण नहीं होता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, टिड्डी तथा चूहों से खेती का नाश, पक्षियों से कृषि का विनाश तथा राज विद्रोह आदि विपत्तियाँ श्रीराम के राज्य में कभी भी नहीं आई। श्रीराम के राज्य में कोई दरिद्र, चिन्तातुर, भयभीत या रोगों से पीड़ित नहीं रहता था। उनके राज्य की एक और विशेषता यह थी कि राज्य में कोई भिखारी, दुराचारी, क्रूर, पापी, क्रोधी और कृतघ्न भी नहीं होता था।

ऐसे ही सुख शान्ति के समय एक दिन एकान्त में सीताजी ने अपने प्रिय पति श्रीराम से कहा कि हे राघव श्रेष्ठ! जब आप पिताश्री के कहने पर दण्डकारण्य जाने के लिए मुझे तथा सुमित्रानन्दन लक्ष्मण को साथ लेकर अयोध्यापुरी से चले थे और शृंगवेरपुर जाकर गंगाजी नदी में नाव पर हम लोग सवार हुए थे। उस समय भगवती भागीरथी की बीच धारा में मैंने जो संकल्प लिया था। प्रभो! वह मैं आज आपको सुनाती हूँ।

देवि गंगे नमस्तेऽस्तु निवृत्ता वनवासतः। रामेण सहिताऽहं त्वांलक्ष्मणेन च पूजये।।

स_र_ा_म_ा_ स_ो_प_ह_ा_र_ै_श्च नानाबलिभिराद्रता। इत्युक्तं वचनं पूर्वं तज्जातं भवतांपि च।।

आनन्दरामायण यात्राकाण्डम् सर्ग 3-26-27

मैंने गंगाजी को नमस्कार करके कहा था कि दे देवि! जब मैं श्रीराम तथा लक्ष्मण के साथ वनवास से लौटूँगी, उस समय सुरा से, मांस से तथा अनेक प्रकार की पूजा सामग्री से तुम्हारी पूजा करूँगी। उस समय कहे हुए इस वचन को आपने भी सुना था। तदनन्तर चौदह वर्ष बाद हम लोग विमान द्वारा वन से लौटे, तब भरत-शत्रुघ्न और माता कौसल्या के वियोग से आतुर होने के कारण मैं इस बात को भूल गई। हे प्रभो! आज मुझे इस बात का पुनः स्मरण हो आया है। अतएव मेरे उस पूर्व के संकल्प को पूरा करने के लिए माताओं, भाईयों तथा मुझे लेकर आपको गंगाजी के तट पर चलना चाहिए। यह मेरी आपसे प्रार्थना है। सीताजी की इस बात को सुनकर श्रीराम बहुत प्रसन्न हुए तथा सहर्ष कहने लगे, %है मैथिली'! तुम्हारा यह वचन गंगाजी के प्रति नहीं, प्रत्युत मेरे ही प्रति था।

हे वैदेहि! तुम्हारे कथनानुसार मैं कल ही गंगाजी चलने के लिए तैयार हूं। हे प्रिये तुम्हारी जिस स्थान और जिस तीर्थ को चलने की इच्छा हो, वह बोलो। इस प्रकार श्रीराम के पूछने पर-

ततः सीताऽब्रवीद्वाक्यं पुनः श्रीराम चोदिता।

यत्र गंगा च सरयू संगताऽस्ति रघूद्वह।।

तत्र गंगोत्तरे देशे गंतुमिच्छति मे मनः।

इति सीतावचः श्रुत्वा तथेत्युक्त्वा रघूद्वहः।

आनन्दरामायण यात्राकाण्डम् सर्ग 3-35-36

सीता ने कहा- हे रघुनन्दन! जहाँ गंगा और सरयूजी का संगम हुआ है, वहाँ पर गंगाजी के उत्तरी तट पर जाने की मेरी मन में इच्छा है। तदनन्तर सीताजी को महल के भीतर भेजकर तथा द्वारपाल को बुलाकर श्रीराम ने कहा- तुम मेरी आज्ञा से अभी लक्ष्मण के पास जाकर मेरा आदेश उनसे कह दो। उनसे कहा कि कल प्रातः सीताजी की इच्छा से तुम्हारे, माताओं, मन्त्रियों, सेनाओं, भरत-शत्रुघ्न, पुरवासीजनों तथा ब्राह्मणों के साथ सरयू के संगम पर गंगाजी का पूजन करने के लिए धूमधाम से मेरा वहाँ जाना निश्चित हुआ है। अतः मार्ग में दो-दो कोस पर अन्न-जल से परिपूर्ण शिविर तैयार कराओ। श्रीराम के वचनों को सुनकर वह दूत बहुत अच्छा जो आज्ञा महाराज कहकर तथा श्रीराम को बारम्बार नमस्कार करके वहाँ से शीघ्र ही चल पड़ा। द्वारपाल ने लक्ष्मणजी के पास जाकर श्रीराम द्वारा

दी आज्ञा विस्तारपूर्वक सुना दी।

तद्रामवचनं श्रुत्वा यौवराज्यपदस्थितः।

सभायां मन्त्रि भिर्युक्तो लक्ष्मणो दूतमब्रवीत्।।

आनन्दरामायण यात्राकाण्डम् सर्ग 3-43

युवराज पद पर स्थित तथा मंत्रियों के साथ सभा में विराजमान लक्ष्मण ने जब श्रीराम के आदेश को दूत के मुख से सुना तो उससे कहा- तुम जाकर श्रीराम से कहना कि आपकी आज्ञा के अनुसार सब कार्य ठीक हो जाएगा। दूत ने पुनः जाकर श्रीराम को यह सन्देश शीघ्र सुना दिया।

तब लक्ष्मणजी ने सोने के दण्ड धारण करने वाले रंग-बिरंगी पगड़ी सिर पर बाँधे एवं सुन्दर पोशाक पहिने हुए बहुत से सिपाहियों को बुलाकर उन्हें आज्ञा दी कि तुम लोग शीघ्र नगरभर में घूमकर सब नगरवासियों को श्रीरामजी के कल प्रातःकाल यात्रा के लिए प्रस्थान करने का समाचार सुना आओ। तब उन्होंने कहा हे नगरवासियों! ध्यानपूर्वक सुनो। श्रीराम और सीताजी कल प्रातः काल में अन्तःपुरवासिनी स्त्रियों, सगे-सम्बन्धियों और सेना के साथ सरयू नदी के संगम पर श्रीगंगाजी का पूजन-अर्चन करने के लिए प्रस्थान करेंगे।

सिपाही यह समाचार सुनाकर लक्ष्मणजी के पास आ गए। तदनन्तर लक्ष्मणजी ने सेवकों के द्वारा तत्क्षण बढ़ई, ईंट बनाने वाले, राजगीर, सौदा बेचने वाले तथा खरीदने वाले, वैश्य, लकड़हारे, कपड़े के डेरा तम्बू के निर्माण में निपुण दर्जी। भैंसों के द्वारा जल ढोने वाले और कुदाल चलाने वाले आदि मजदूरों को सभा में बुलाकर वस्त्र आदि से सत्कार करके प्रसन्न किया और सम्मानपूर्वक उनसे कहा कल प्रातःकाल श्रीराम-सीताजी सेना के साथ तीर्थ यात्रा के लिए जाने वाले हैं। अतः तुम लोग उनके सम्पूर्ण मार्ग को कंकड़-पत्थर बीनकर साफ सुथरा कर दो। उनके यात्रा के मार्ग को समतल कर दो। रास्ते में आने वाली बावड़ी, कुएं तथा तालाबों को साफ कर दो तथा सैकड़ों तालाब-कुएँ आदि खोद दो। आधे-आधे योजन पर सेना के लिए शिविर बनाकर अन्न-जल से परिपूर्ण कर दो। सुन्दर दीवारें खड़ी करके भोजनालय और रसोई के लिए चूल्हे तैयार करो। मार्ग में स्थान-स्थान पर सैकड़ों तथा हजारों की संख्या में आनन्द प्राप्त करने के लिए दीवारों पर सुन्दर रंग-बिरंगे चित्र बना दो तथा मनोविनोद हेतु बीच-बीच में पुष्पवाटिकाएँ लगा दो। पथ-पथ पर गायकों की गायन शालाएं निर्माण कर दो। चन्दन तथा गुलाब आदि के सुगन्धित जल सब रास्तों में छिड़कवा दो तथा चित्र-विचित्र धारीवाले कपड़ों के तम्बू बनाकर जगह-जगह लगा दो।

बैलगाड़ियों में, ऊँटों पर और रथ आदि पर धनुष-बाण, मुद्गर, शक्तिये, तोप (शतघ्नि) रख दो। रास्ते के चौतरफा और दरवाजे आदि पर ध्वजाएँ गाड़ तथा बाँध दो। श्रीरामजी के चारों रथों पर ध्वजाएँ बाँध दो। उन चारों स्यन्दनों पर हनुमान, कोविदार, गरुड़ और बाण के चिन्हों वाली पताकाएँ होनी चाहिए। वे ध्वजाएँ हरे-पीले, श्वेत और नीले रंग की सुन्दर बनी होना चाहिए। श्रीरामचन्द्रजी के लिए हाथी पर हरे रंग की मखमल की गद्दी-तकिया लगाकर उस पर मोतियों के हार टाँग देने तथा सोना-माणिक्य से रचित बहुमूल्य, दिव्य परम सुन्दर श्वेत छत्र लगाने की व्यवस्था की गई। एक दूसरी हथनी की पीठ पर सीताजी के लिए सुवर्ण, मूँगे, रत्न, मोती आदि लगाकर ज़रीदार बहुमूल्य आसन बिछाकर तैयार करने की व्यवस्था की गई। बहुत से रथों में वस्त्र, आभूषण, दुग्ध, दही, पूजा के द्रव्य तथा अच्छे-अच्छे बर्तन रखे गए।

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है।

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

योगेश कुमार गोयल

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं।

युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ

रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं।

देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इसके सेवन से सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरुपयोग कहा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय एस्टेरॉइड

सूडोकु नवताल- 6117

★★★★☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6116 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

अपने संकल्प में संयुक्त राष्ट्र ने 30 जून 1908 को साइबेरिया, रूसी संघ पर तुंगुस्का प्रभाव की वर्षगांठ पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हर साल 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस की घोषणा की और क्षुद्रग्रह प्रभाव खतरे के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए।

यह दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा लोगों को एस्टेरोइड यानी क्षुद्रग्रह के प्रभाव के बारे में जागरूक करने के लिए संस्थीकृत किया गया था। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य है साल भर में अनेक तरह के आयोजन करके लोगों को क्षुद्रग्रह / उल्का पिंड से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक करने का और विश्वभर के लोगों के साथ विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संवाद करने का।

30 जून 1908 को रूस की तुंगुस्का नदी के पास क्षुद्रग्रह से एक बहुत बड़ा विस्फोट हुआ था। इस विस्फोट को सबसे बड़ा विस्फोट माना जाता है। इस विस्फोट के कारण ही 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस मनाने की शुरुआत हुई। अंतर्राष्ट्रीय क्षुद्रग्रह दिवस एस्ट्रोफिजिसिस्ट यानी तारा भौतिकविज्ञानी और प्रख्यात संगीतकार डॉ ब्रायन मे अपोलो 9 एस्ट्रोनॉट यानी अंतरिक्ष यात्री रस्टी स्वेईकार्ट फिल्म निर्माता ग्रीग रीचार्टस और B612 फाउंडेशन की अध्यक्ष डानिका रेमी द्वारा सह-स्थापित किया गया था।

इस दिवस की स्थापना लोगों को क्षुद्रग्रह के महत्व, उनका सौर मंडल की रचना में भूमिका, अंतरिक्ष के साधनों पर

प्रभाव और हमारे गृह को भविष्य में होने वाले प्रभाव से बचाने के विषय पर जागरूक करना है।

तुंगुस्का की घटना एक बहुत बड़ा विस्फोट था जो रूस में पोडकामेननाया तुंगुस्का नदी के पास 30 जून, 1908 की सुबह हुआ था। कहा जाता है कि इस भयानक विस्फोट से 8 करोड़ पेड़ जल गए थे और कुछ प्रत्यक्षदर्शी रिपोर्ट्स ये बताती हैं कि इस धमाके में कम से कम तीन लोगों कि मृत्यु हुई थी। जहाँ धमाका हुआ था वो जगह दूरस्थ थी और उस समय सीमित इंस्ट्रूमेंट्स ही उपलब्ध थे, इसलिए इस धमाके की वजह और परिमाण को जो आधुनिक वैज्ञानिक व्याख्या की गयी है वो मुख्यतः इस विस्फोट से हुए नुक्सान के आंकलन और भूगर्भिक अध्ययन पर आधारित है जो कि इस घटना के कई साल बाद किये गए थे। 30 जून 1908 को सुबह के करीब 07:17 बजे बयकाल झील के उत्तर पश्चिमी पहाड़ियों में रह रहे रूसी निवासी और मूल निवासी एवेंकिस ने आसमान में घूमती हुई नीले से रंग की रौशनी का एक कॉलम देखा जो सूरज जैसा चमकदार था। करीब 10 मिनट बाद वहां एक फ्लैश हुआ और तोपखाने की आग की आवाज जैसी एक आवाज़ आई। इस घटना के प्रत्यक्षदर्शी यह बताते हैं कि इस विस्फोट की आवाज़ें और झटके की लहरइतनी भयानक थी कि कुछ लोग तो दूर जाकर गिरे और करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित खिड़कियां भी टूट गयीं।

क्षुद्रग्रह आमतौर पर क्षुद्रग्रह बेल्ट में पाए जाते हैं जो सौरमंडल में मंगल और बृहस्पति ग्रह के बीच पाया जाने वाला एक क्षेत्र है। ऐस्टरॉइड्स वे चट्टानें होती हैं जो ग्रह के साथ सूरज के चक्कर काटती हैं। ये आमतौर पर क्षुद्रग्रह बेल्ट में पाए जाते हैं, जो सौरमंडल में मंगल एवं बृहस्पति ग्रह के बीच पाया जाता है। पहले क्षुद्रग्रह की खोज सन 1801 में खगोलशास्त्री गुइसेप पियाज़ी द्वारा की गयी थी। क्षुद्रग्रह के टूटकर पृथ्वी पर गिरने से बड़ा नुकसान हो सकता है।

शुरुआत में 2014 में एस्टेरोइड डे एजुकेशन प्रोग्राम्स को लॉन्च करने के लिए एस्टेरोइड समुदाय के सदस्यों ने एक पेटिशन तैयार और प्रकाशित की। यह पेटिशन एस्टेरोइड (क्षुद्रग्रह) एजुकेशन के पक्ष में जनता का समर्थन पाने के लिए प्रकाशित की गयी थी और सरकारों से यह अपील की गयी कि वे एस्टेरोइड की खोज करने वाले प्रोग्राम्स को फंडिंग को समर्थन दें। इस पेटिशन को 100वस डिक्लेरेशन कहते हैं। इसे दुनिया के कई प्रमुख व्यक्तियों ने साइन किया।

अध्यात्म की ओर से स्वप्रबंधन तक राजयोगिनी उषा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा आध्यात्मिक जगत का एक ऐसा नाम है, जो रामायण, श्रीमदभगवत गीता,बाइबिल, कुरान ,गुरुग्रंथ साहिब के अध्ययन वेत्ताओं में सबसे पहले आता है।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा की आध्यात्मिक कक्षाओं में शामिल होने के लिए जिज्ञासु लालायित रहते है।प्रायः डेढ़ घण्टे का जब उनका व्याख्यान होता है तो सभी शांतचित्त होकर न सिर्फ सुनते है,बल्कि आत्मसात भी करते है।ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू में हाल ही में हुए अखिल भारतीय संत सम्मेलन में देशभर से आए विभिन्न मठो,अखाड़ो,आश्रमो के संत राजयोगिनी उषा के परमात्मा विषयक यथार्थवादी तर्कसंगत उदबोधन को सुनकर उनके सामने नतमस्तक हो गए,यही सम्मेलन की सफलता भी कही जा सकती है।राजयोगिनी उषा जिन्हें ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ी विदुषी मां के माध्यम से बचपन में ही स्वयं का व परमात्मा का ज्ञान हो गया था,ने अपने राजयोग अभ्यास द्वारा ईश्वरीय याद में रहकर प्रसिद्धि की ऊंचाइयों को छुआ।बिहार विधानसभा में उनके द्वारा कराए गए राजयोग से विधानसभा अध्यक्ष व सभी विधायक इतने प्रभावित हुए की,उन्होंने माउंट आबू जाकर आवासीय राजयोग प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की,साथ ही बीके उषा का सम्मान भी किया।ब्रह्माकुमारी उषा द्वारा पिछले कई दशकों से हिंदी भाषा को आधार बनाकर दिए जा रहे रूहानी व आध्यात्मिक ज्ञान के कारण उन्हें उनके द्वारा %अध्यात्म की ओर ...%व %स्वप्रबंधन %पुस्तक लेखन तथा उनके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जा रही हिंदी सेवा के तहत ब्रह्माकुमारी उषा को विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर (बिहार) ने विद्या वाचस्पति मानद सम्मान से विभूषित किया है।इस सम्मान प्राप्ति के अवसर पर उपस्थित रहे ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन भाई,कार्यकारी सचिव बीके मृत्युन्जय भाई व धर्म प्रभाग प्रमुख बीके मनोरमा ने बीके उषा को इस सम्मान के योग्य बताया और कहा कि इससे उन्हें जीवन मे एक नए सुख की अनुभूति होगी,जो ईश्वरीय सेवा के लिए कारगर सिद्ध होगी।ब्रह्माकुमारी उषा यूं तो दक्षिण अफ्रीका में जन्मी है और वही उन्हें ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त हुआ।लेकिन ईश्वरीय सेवा में समर्पित होने के लिए उन्हें मां ने ही प्रेरित किया।आज भी मां जहां उनकी पथप्रदर्शक है वही परमात्मा उन्हें अपनी सेवाओं के लिए उंगली पकड़ कर चलाते है।

बच्चों को हार का सामना करना भी सिखाइये

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों पर हमारी आकांक्षाओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। इससे बच्चों में तनाव और मानसिक रोग भी बढ़ते जा रहे हैं। आम तौर पर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बेहद सफल हों और आपाधापी में यह भूल जाते हैं कि उनकी भी कुछ क्षमताएं हैं। इस क्रम में हम बच्चे को हार का सामना करना सिखा ही नहीं पाते। वहीं बच्चे भी अपने को बेहतर मानते हुए हार का सामना नहीं कर पाते और ऐसे में जब उन्हें हार का सामना करना पड़ता है तो वह उसे स्वीकार नहीं कर पाते। फिर चाहे वह पढ़ाई हो या कोई खेल।

वहीं इसकी जगह हमें बच्चों को यह समझाना चाहिये की हारने से ज्यादा जरूरी है, खेल में भाग लेना।

अगर हम पीछे रह जाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाएं। इन हालातों में बच्चों को हार-जीत से परे होकर स्पर्धा में हिस्सा लेने के बारे में समझाना चाहिए, क्योंकि हम अपने बच्चों को विफल होते नहीं देखना चाहते और न ही उनके भविष्य के साथ किसी तरह का खिलवाड़ होते देखना चाहते हैं। बच्चों को यह बात समझ में आए, इसके लिए जरूरी है कि हम उनके साथ ढेर सारा समय बिताएं और उन्हें ही प्राथमिकता दें। उन्हें खूब सारा प्यार देकर और प्रोत्साहन भरे शब्दों का इस्तेमाल करके राहत दें। अपने बच्चों को हार से उबारने और उससे पार पाने के लिए हमें उन्हें कुछ खास बातें जरूर बतानी चाहिए।

हर समय नहीं मिलती जीत

उन्हें सबसे पहले यह समझाएं कि हर समय जीत जरूरी नहीं है। इसकी शुरुआत स्कूल में ही हो जाती है, जब वे खेलों में हिस्सा लेते हैं। उन्हें यह बताएं कि हर समय हर व्यक्ति जीत नहीं सकता साथ ही यह भी समझना जरूरी है कि वे जो कर रहे हैं, उसमें अपना बेहतर देने की कोशिश करें। जितने गर्व के साथ से वे जीत को सिर-माथे पर लेते हैं, उतने ही खुश होकर हार को भी स्वीकार करें।

अपनी हार स्वीकार करें

उन्हें अपनी हार स्वीकार करना सिखाएं जबकि आमतौर पर देखा गया है कि जब बच्चे किसी चीज में पिछड़ जाते हैं तो वे दूसरों को अपनी हार के लिए जिम्मेदार बताते हैं। इस दौरान यह याद रखना जरूरी है कि हार को स्वीकार करने से ही सफलता हासिल होती है। दूसरे को जिम्मेदार बताने से कुछ हासिल नहीं होता।

किसी से तुलना न करें

कई चीजें हमारे बस में नहीं होती। संभव है कि आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को आपको भी स्वीकार करना चाहिए और बच्चे को भी समझाइए। हां, यह जरूर है कि आधारभूत पढ़ाई सबके लिए जरूरी है। आपको यह सोचकर खुश होना चाहिए कि वह किसी क्षेत्र में तो चैंपियन है। उन्हें उस रास्ते पर चलने में मदद कीजिए, जहां उनकी सफलता छिपी है।

हार पर दें सांत्वना

उनसे बात करें कि हारने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि आपका बच्चा अपने एहसास आपसे बांटे। इस तरह से आपको यह पता चलेगा कि उन्हें कितना दुख पहुंचा है और आप किस तरह से उन्हें सांत्वना दे सकती हैं और यह समझा सकती हैं कि कभी-कभी हारना भी बुरा नहीं है। अपना यह एहसास बांटने से उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों के लिए भी तैयार होने में मदद मिलेगी।

असफलता से ही सफलता की राह

उन्हें समझाएं कि हार सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का रास्ता भी हो सकता है। यदि वे बैठकर यह सोचने में लग जाएंगे कि वे कैसे हार गए तो इसका कोई सकारात्मक परिणाम हाथ नहीं आएगा। इसकी बजाय यदि वे अगली बार के लिए तैयारी करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी ।

सबसे बड़ी बात, जब भी आपका बच्चा दुखी हो, उसे गले लगाएं। हमें गले लगाने की जरूरत हर उम्र में पड़ती है। तो आपका बच्चा चाहे पांच साल का हो या पंद्रह का, उसे गले जरूर लगाएं। याद रखें कि आप जितना देंगी, उतना ही आपको वापस मिलेगा। सोचकर देखिए, क्या आपको उस समय अच्छा नहीं लगेगा, जब आप दुखी हों और आपका बच्चे आगे बढ़कर आपको गले लगा ले।

जीत की राह तैयार करें

यह सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यह है कि जीतने की भी कला होती है। जीतने की योजना भी बनाई जानी चाहिए और उसके बाद उसी के अनुसार काम करना चाहिए। बच्चे की जीतने की इस योजना में आप उसकी मदद कर सकती हैं। पढ़ाई के लिए दिनचर्या बनाने में उसकी मदद करें, पढ़ने में उसकी मदद करें। परीक्षा के समय जब वह देर रात तक जागता है तो उसे चाय या कॉफी बनाकर दें। कहने का तात्पर्य है कि किसी की जीत के लिए सिर्फ उसकी अपनी काबिलियत नहीं, दूसरों की मदद भी जरूरी है।

बच्चों में भी बढ़ रहा है तनाव

आजकल स्कूल की पढ़ाई के साथ ही जारी प्रतिस्पर्धा का प्रभाव बच्चों पर भी पड़ा है और वे तनावग्रस्त होते जा रहे हैं। अगर आपका बच्चा स्कूल ना जाने के बहाने बनाता है और सिर्फ घर पर बैठना चाहता है, तो ये संभव है कि आपका बच्चा तनाव से परेशान हो। कोरोना महामारी के बाद हालात ओर खराब हुए हैं क्योंकि बच्चे लंबे समय से घर में रहे हैं ओर अब स्कूल जाने की उन्हें आदत नहीं रही है।

वहीं अगर आपके बच्चे की स्कूल में उपस्थिति बहुत कम है तो इसका कारण तनाव भी हो सकता है। इससे आप जान सकते हैं कि किस प्रकार से तनाव, बच्चों की स्कूल में उपस्थिति से जुड़ा हुआ है। इन कारणों से स्कूल नहीं जाना चाहते बच्चे। बीमारी के चलते छुट्टी, बिना किसी कारण के छुट्टी, स्कूल जाने से मना करना। अब शोधकर्ताओं को पता चला कि बिना किसी कारण के जो छुट्टी ली जाती है, उसमें सबसे बड़ा कारण तनाव होता है। तनाव बच्चों की पढ़ाई के साथ उनकी सामाजिक और आर्थिक विकास में भी बाधा बन सकता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार हैं हमे शुरुआती चरण में ही इस समस्या का पता चल गया है, अब हमारे को जल्द से जल्द कुछ समाधान निकालना चाहिए जिससे इन मासूम बच्चों की जिंदगी बेहतर हो सके। बच्चों में इन लक्षण को समझना कई बार मुश्किल हो सकता है। इसलिए कई बार बच्चे शिकायत कर सकते हैं कि उनको पेट या सर में दर्द है। ऐसी परिस्थिति में स्कूल के स्टाफ को इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि ये संभव है कि इन लक्षणों का कारण तनाव हो. हमे ये भी समझने की आवश्यकता है कि मामूली तनाव कोई बीमारी नहीं होती। थोड़ा तनाव तो किसी को भी हो सकता है लेकिन अगर ये तनाव आपके बच्चे की जिंदगी पर नकारात्मक असर डाल रहा है और उसकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो रही है, तब ये चिंताजनक है। तनाव का इलाज संभव है और इस पर ठीक समय पर काबू भी किया जा सकता है लेकिन तनाव को नकार देना इसका समाधान नहीं है, इससे दिक्कतें और बढ़ सकती हैं। वैसे कुछ संस्थाए इस बात पर भी जोर दे रहीं हैं कि अभी इस मुद्दे पर और अध्यन की आवश्यकता है।

जब निकल रहे हों बच्चों के दूध के दांत तो यह करें

बच्चे जब छह महीने के हो जाते हैं तब उनके दूध के दांत निकलने का समय होने लगता है, ऐसे समय में बच्चों को बुखार, मसूड़ों में सूजन और दर्द सहित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए उन्हें विशेष देखभाल की जरुरत होती है। दांत निकलने के दौरान बच्चों को काफी दर्द होता है जिसके कारण वो दिनभर रोते रहते हैं और चिड़चिड़े हो जाते हैं। ऐसे समय में बच्चों को विशेष देखभाल की जरूरत पड़ती है ताकि उन्हें दर्द में राहत दिलाई जा सके और संक्रमण से भी बचाया जा सके। इस दौरान दर्द के अलावा भी बच्चों को कई परेशानियां होती हैं जिनके बारे में अभिभावकों को ध्यान रखना चाहिये।

मसूड़ों में आ जाती है सूजन

दांत निकलने की प्रक्रिया आमतौर पर 6 से 8 महीने में शुरू हो जाती है। पहले-पहल निकले दांतों को ही हम दूध के दांत कहते हैं। दांत निकलने के दौरान बच्चों के मसूड़ों में सूजन आ जाती है और कई बार तो मसूड़े लाल हो जाते हैं। इसी कारण बच्चों को दर्द होता है और वे रोते हैं।

बुखार आ सकता है

दांत निकलने की प्रक्रिया के दौरान बच्चों में बुखार आना एक आम समस्या है। अगर बच्चे के दांत निकल रहे हैं और उसे बुखार आ जाता है तो घबराएं नहीं बल्कि चिकित्सक से सलाह लें। आमतौर पर पैरासीटामाल से ये बुखार ठीक हो जाता है पर चिकित्सक की सलाह के बिना कोई भी दवा बच्चों को न दें।

भूख कम लगती है

दांत निकलने के समय बच्चों को भूख कम लगती है इसलिए वे दूध पीते समय रोते रहते हैं और शांत नहीं होते हैं। ऐसे में बच्चों को जबरदस्ती दूध न पिलाएं नहीं तो उन्हें अपच या कब्ज हो सकती है और बच्चे उल्टी कर सकते हैं। अगर बच्चा 6 महीने से ज्यादा का है तो उसे दूध के अलावा भी कुछ तरल पदार्थ या खाने की बहुत मुलायम चीज दे सकते हैं।

डायरिया की होती है आशंका

दांत निकलने के समय दर्द के कारण बच्चे आसपास की चीजों को उठाकर मुंह में भरने लगते हैं इसलिए संक्रमण के कारण कई बार उन्हें डायरिया भी हो जाता है। इससे बचाव के लिए बच्चों को साफ जगह पर रखें और उसके आसपास की चीजों को भी अच्छी तरह साफ कर दें। इसके अलावा जब बच्चा कोई चीज मुंह में भरे तो उसे गाजर या कोई भी कड़ा फल दे सकते हैं जिसे वो मसूड़ों से काट न पाए।

चिड़चिड़े हो जाते हैं बच्चे

दांत निकलने के दौरान बच्चे लगातार दर्द के कारण चिड़चिड़े हो जाते हैं और दिनभर रोते रहते हैं। इसके कारण कई बार बच्चे रात में सोते-सोते उठ जाते हैं जिससे आपकी परेशानी बढ़ जाती है। चिड़चिड़ेपन के कारण बच्चों में आंख मसलना, बालों को खींचना, खरोंच मारना और चीजों को मुंह में भरना आदि कई लक्षण देखे जा सकते हैं।

बच्चों की करें मालिश

बच्चों को शांत करने के लिए उनके पैरों को मालिश करना आसान उपाय है। पैरों में मालिश करने से बच्चों को अच्छा लगता है जिससे उन्हें दर्द का एहसास कम होता है और वे जल्दी ही शांत हो जाते हैं। मालिश से उन्हें नींद भी आने लगती है और वे सो जाते हैं।

बच्चों को सिखायें ये टेबल मैनर्स

टीवी और मोबाइल में व्यस्त रहने के कारण आजकल बच्चे टेबल पर साथ बैठकर खाना भी नहीं खाना चाहते। ऐसे में उन्हें सामान्य टेबल मैनर्स की समझ भी नहीं होती। ये टेबल मैनर्स बच्चे के व्यक्तित्व के बारे में काफी कुछ बयां करते हैं।

ये पांच टेबल मैनर्स बच्चों का जरुर सिखाएं

नैपकिन का प्रयोग करें: खाना शुरू करने से पहले हमेशा नैपकिन अपने पास रखें। उस नैपकिन के माध्यम से आप सिर्फ अपना मुंह साफ नहीं करते बल्कि अगर कुछ गिर जाए तो उसे भी साफ कर सकते हैं। तेज जुकाम के समय भी खाते समय अपने पास नैपकिन रखना आवश्यक है।

भोजन शुरु करने से पहले: टेबल मैनर्स सिर्फ भोजन करते समय के लिए नहीं होते हैं। आपको भोजन शुरु होने से पहले नैपकिन को ठीक तरीके से बिछाना पड़ता है। हमेशा नैपकिन को अपने दाएं हाथ से पकड़े और फोल्ड करके अपनी गोद में रख लें। जब भी भोजन के बीच में उठना हो तो उस नैपकिन को अपनी कुर्सी के पीछे टांग दे और वापस आकर फिर अपनी गोद में रख लें।

मुंह बंद करके खाएं : भोजन करते समय कभी भी बात ना करें। अगर मुंह खोलकर खाते हैं तो दूसरे इंसान के लिए वो परिस्थिति बहुत असहज हो जाती है। बता दें, खाना खाते समय अपनी कोहनी कभी भी टेबल पर ना रखें, इसे अच्छा नहीं माना जाता है।

कुछ भी चाहिए, तो अपने साथी को बोलें: ये समस्या बहुत सारे बच्चों के साथ है। अगर आपको कभी कुछ खाने की चीज चाहिए तो अपने साथी को पास करने के लिए कहें। वहीं खाने के बीच में ऐसे उठना टेबल मैनर्स के खिलाफ है।

वेटर से बात करने का सलीका: जब भी खाने के बीच में छोटा ब्रेक लें, अपनी चम्मच और फोर्क को थी आकार में रखें। जब भोजन खत्म हो जाए तो अपनी चम्मच और फोर्क को पैरेलल आकार में रखें। इस तरीके से आपके वेटर को खुद ही पता चल जाएगा कि अभी आपने ब्रेक लिया है या आपका भोजन समाप्त हो गया है।

बच्चों की संगत और उनके कामों पर रखें नजर

आपका बच्चा स्कूल जाता है तो यह जरूरी हो जाता है कि आप उसके दैनिक कार्यों पर नजर रखें। आपका बच्चा घर के बाहर क्या सीखता रहा है और किन बच्चों की संगत में रहता है यह भी आपके ध्यान में होना चाहिए। इसके लिए यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे के रोजमर्रा के अनुभव के साझेदार बनें। इसके साथ ही आप घर के कार्यों को सम्पन्न करते हुए बच्चों को छोटी-छोटी बातें भी सिखा सकते हैं और उसके मन की बात जान सकते हैं। यदि बच्चों के साथ घर के बाहर जाते हैं तो अच्छी और बुरी बातों की जानकारी प्रत्यक्ष रूप से दे सकती हैं। इसी तरह आप बच्चों को मौसम की जानकारी देते हुए अनेक बातों को समझा सकती हैं। ऐसे कई उपाय हैं जिनसे आप बच्चों की समझ विकसित कर सकते हैं। दुनिया के बारे में बच्चों की सोच किस प्रकार की है। बच्चों की उम्र के साथ-साथ दुनिया के बारे में उनकी समझ में बदलाव होता जाता है। इस बदलाव की पूरी जानकारी माता-पिता को ही देनी होती है। आपके बच्चे को क्या अनुभव अनुभव प्राप्त हो रहा है। वह स्कूल या दुनिया की घटनाओं के बारे में क्या सोचता है। ऐसी बातों की पूरी जानकारी आपको होनी जरूरी है। आप बच्चों को इन बातों की जानकारी बहुत ही सुलभ तरीके से प्रदान कर सकते हैं। आस-पास घटित हुई हाल की घटना के बार में आप बच्चों से उनके जवाब या विचार जानने की कोशिश करें। बच्चा जो भी जवाब देता है उसे संपादित कर सही करें। आप किसी समाचार से संबंधित कई जानकारियां अपने बच्चे तक पहुंचा सकते हैं। अपने बच्चे को सीखने में मदद करें- हर माता-पिता की चाहत होती है कि उसका बच्चा पढ़-लिखकर एक जिम्मेदार व्यक्ति बने। इसके लिए माता-पिता को जिम्मेदारीपूर्ण नेतृत्व प्रदान करना चाहिए। माता-पिता बच्चों को प्रेरणा प्रदान करें। प्रेरणा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे को अंदर से जागृत करे। बाहरी प्रेरणा से बच्चे भ्रमित हो सकते हैं। इसलिए बच्चे के हितों को ध्यान में रखकर माता-पिता अच्छी बातों को सिखाएं। सफलता और असफलता को एक समान समझने की कला विकसित करें। यह भविष्य में बहुत ही कारगर साबित होता है।

अपने बच्चे के शेड्यूल को हमेशा व्यस्त न रखें: यदि आप अपने बच्चे को स्कूल की शिक्षा के अतिरिक्त कोई बाहरी शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं तो यह ध्यान रखना चाहिए कि यह बच्चे के शेड्यूल में किसी प्रकार का बाधा न डाले। बच्चों का हमेशा व्यस्त रखने से उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है। इससे उनकी कार्यप्रणाली पर बुरा प्रभाव पड़ता है। बच्चों को अपनी पसंद का खेल खेलना बहुत ही जरूरी होता है। बच्चे पढ़ाई संबंधी तनाव को खेल के जरिए ही दूर करते हैं। यदि आपने बच्चे को संगीत शिक्षा या अन्य खेल संबंधी अतिरिक्त पाठ्यक्रम की शिक्षा दिला रहे हैं तो आपको यह ध्यान देना जरूरी है कि ये गतिविधियां नियमित रूप से बच्चों को आकर्षित करती रहें। बच्चों का मन बहुत ही चंचल होता है। इस कारण किसी भी चीज से बहुत ही जल्द उनका मोह भंग हो जाता है।

नई चीज सीखें और बच्चों को सिखाएं: बच्चों के रोल मॉडल बनने का यह बहुत ही अच्छा तरीका है। आप भी नई चीजों को सीखने की कोशिश करें। इन नई चीजों की जानकारी आप खुद से अपने बच्चों में स्थानांतरित कर सकते हैं। मान लीजिए कि आपके समक्ष कोई ऐसी घटना घटी या आपने किसी ऐसी घटना के बारे में सुना या देखा जिससे आपके बच्चे को प्रेरणा मिल सकती है तो आप उस जानकारी को स्वयं के अनुभव से अपने बच्चों को बता सकते हैं।

ग्वालियर का सर्वागीण विकास मेरी प्राथमिकता रहेगी: डॉ. षोभा सिकरवार

जनसम्पर्क में जगह-जगह हुआ जोरदार स्वागत

ग्वालियर। कांग्रेस महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.श्रीमती षोभा सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर के सर्वागीण विकास के लिये हम काम करेंगे। आज खस्ता हाल सड़कें, पेयजल समस्या, सीवर समस्या एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिये आप कांग्रेस को आर्षीवाद दें। डॉ.श्रीमती षोभा सिकरवार ने आज वार्ड 37 में डोर टू डोर जनसम्पर्क किया। इस दौरान मतदाताओं ने जगह-जगह तिलक लगाकर और पुश्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत किया।

कांग्रेस महापौर उम्मीदवार डॉ.श्रीमती षोभा सिकरवार ने जनता के बीच रूबरू होते हुये कहा कि भा.ज.पा. के पास जनता को टैक्स के रूप में लूटने के अलावा कभी कुछ काम नहीं किया। भा.ज.पा. ने जनता को नगर निगम में कभी राहत नहीं दी है। मगर हम आपसे वायदा करते है कि गार्बेज टैक्स पूरी तरह खत्म करेंगे। पेयजल और सम्पत्तिकर में बड़ी राहत देगें। हम जो कहेंगे वा करके दिखायेगे। आपका स्नेह और आर्षीवाद कांग्रेस को षक्ति देगा और विजयश्री दिलवायें। उन्होंने कहा कि जन भावनाओं के अनुरूप काम कर ग्वालियर षहर का विकास करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम के औशधालयों का संचालन ठीक से हो, इस दिषा में सार्थक पहल की जायेगी।

सेवा भाव ग्रुप ने गोशाला में सहयोग दिया

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरु-श्री कृष्णा गौ सेवा आश्रम होसुर भंडे में पलने वाले गोवशं के लिए सेवा भाव ग्रुप द्वारा स्वेच्छा से 51 हजार रूपए की राशि का सहयोग दिया। संस्थापक पुखराज महाराज ने दानदाताओं को सम्मानित किया ।पुखराज महाराज ने बताया की बारिश के दिनों में गायों के लिए चारा की कमी के कारण गायों का पालन करने में परेशानी हो रही है ।उन्होंने दानदाताओं से गौशाला में सहयोग देने की अपील की ।इस अवसर पर सुनील सीरवी, धर्मेंद्र सिंघवी, गोतम जैन, महेश सोमानी, सुनील लुक्कड़, संतोष जैन,मुकेश राजपुरोहित, गोतम सियाल, चन्द्रशेखर माहेश्वरी,लक्ष्मण जागिड़, अशोक भंसाली, दिपक चौधरी, पुखराज आगलेचा, जगदीश सोंमानी, सुरेश सेंणचा, धर्मेंद्र जैन, महावीर जैन, विश्वनाथ दागा, रंजीत जैन,गणेश सीरवी आदि मौजूद थे।

फर्जी नोड्यूज के आधार पर दाखिल किया सरपंची का नामांकन, निर्वाचन अधिकारी को नही खबर

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद नगरीय निकाय चुनाव व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया अभी चल रही है। इसमें कई उम्मीदवारों ने सरपंच, पंच, जनपद, जिला पंचायत व पार्षद पद में अपनी किस्मत आजमाने के लिए मैदान में उतरे है। इसमें से कई उम्मीदवारों द्वारा गलत तरीके से नोड्यूज कराकर चुनाव मैदान में है। ऐसा ही एक मामला ग्राम पंचायत खुर्द से अभ्यर्थी गायत्री पत्नी सुरेन्द्र माहौर का सामने आया है अभ्यर्थी के द्वारा विद्युत विभाग का फर्जी नोड्यूज लगाकर सरपंच पद प्रत्याशी के रूप मे नामांकन दाखिल कर %चुनाव लड रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गायत्री पत्नी सुरेन्द्र माहौर निवासी खुर्द के दादा ससुर कन्हैयालाल माहौर पुत्री गुन्नी के नाम से स्थाई विद्युत पम्प कनैक्शन है जिनकी मृत्यु हो चुकी है उनके पुत्र मेवालाल पुत्र कन्हैयालाल की भी मृत्यु हो चुकी है। अभ्यर्थी के पास विद्युत विभाग की करीव दो लाख स्थये के आस पास विद्युत राशि बकाया निक्लती है उसे छिपाकर गायत्री के व्दारा विद्युत विभाग के कर्मचारियो से मिलकर फर्जी रूप से विद्युत नोड्रूज प्रमाणपत्र लेकर सरपंच पद हेतु नामाकन दाखिल किया है। फर्जी नोड्यूज सम्बन्धी शिकायत खुर्द पंचायत के निवासी ने उप महाप्रबंधक व एसडीएम से की है। शिकायत मिलते ही उप महाप्रबन्धक गोहद द्वारा शिकायती पत्र के साथ अपने विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों का बचाव करते हुए विभागीय पत्र एसडीएम को भेज दिया है

समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने भागवत मे सरवत वितरण का कार्य संपन्न किया

पुष्पनाली टुडे

सेवढा।। श्रीमद् भागवत कथा के चल समारोह में समाजसेवी श्यामू ठाकुर के द्वारा हनुमान चौराहे पर सरवत वितरण का कार्य संपन्न किया गया जिसमें समाजसेवी कृष्ण सिंह बांगरा, राहुल चौरसिया, राम कुमार विश्वकर्मा, किन्ना खागट समेत नगर के प्रबुद्ध जन शामिल हुए वंही कृष्ण सिंह बागरा ने कहा कि बिना स्वार्थ के सेवा करना ईश्वर की सेवा करना के बराबर है समाजसेवी श्यामू ठाकुर के द्वारा जो बड़े-बड़े विद्वानों के गुरु वचनों को मानकर सेवा भाव के माध्यम से समय-समय पर समाज सेवा का जो कार्य किया जाता है वह अनुकरणीय।

मध्य प्रदेश भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ द्वारा की गई चुनावी बैठक

संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर/भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा जी एवं वार्ड 18 की पार्षद श्रीमती रेखा त्रिपाठी वार्ड क्रमांक 19की प्रत्याशी श्रीमती उमा भदोरिया जी के समर्थन में विशाल सभा कल दिनांक 28 जून रात्रि9़़00 शताब्दीपुरम में सैनिक प्रकोष्ठ के द्वारा किया गया जिसमे सैनिक प्रकोष्ठ भा. ज. पा मध्य प्रदेश के सह संयोजक सत्यपाल सिंह भदौरिया वरिष्ठ कार्यकर्ता कुलदीप चतुर्वेदी के नेतृत्व में यह भव्य आयोजन किया गया जिसमें सैनिक प्रकोष्ठ भाजपा के सभी पदाधिकारी एवं भिण्ड से जिला मीडिया प्रभारी युवा मोर्चा संतोष सिंह भदौरिया रामप्रीत सिंह, तथा क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर भाजपा महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा और सभी बीजेपी वार्ड पार्षद प्रत्याशीयों के समर्थन सभी कार्यकरताओ द्वारा प्रचार एवम ज्यादा से ज्यादा मतदान करने की अपील की

नगर पालिका चुनाव को लेकर धमासान शुरु

कोई ढोल नगाड़ों के साथ तो कोई घर घर पहुच कर रहे सम्पर्क

विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

श्योपुर । नगर पालिका चुनाव को लेकर 6 जुलाई 2022 को होने वाले मतदान की तिथि जैसे जैसे नजीदिक आती जारही है वैसे वैसे नगर पालिका चुनाव में जीत का दाव लगा बैठे प्रत्यशियों की धड़कने बढ़ती जारही है।जहा पार्षद पद के प्रत्याशी उमस भरी गर्मी में कोई ढोल नगाड़ों के साथ तो कोई घर पहुच कर सम्पर्क में जुट गए है सुबह दिन के उदय से प्रारम्भ जन सम्पर्क प्रत्याशियों द्वारा रात्रि 10 बजे तक निर्विध्न रूप से किया जारहा है जहा दीवाल पर पम्पलेट चिपकाने के साथ ही घर घर पर्चे बांट कर अपने अपने चुनाव चिन्ह से पार्षद प्रत्याशी वार्डवासियों को अवगत करा रहे है।इतना ही नही पार्षद प्रत्याशी अपनी जीत को लेकर एड़ी चोटी का जोर लगा रहे है जिसके चलते एक वार्ड में मतदाताओं के एक दूसरे के सम्पर्क को भी प्राथमिकता से लेते हुए जोर आजमाइश की जारही है।वही प्रचार प्रसार को लेकर लाउडस्पीकर ओर शोसल मीडिया का भी सहारा लिया जारहा है इतना ही नही अपने चिर परिचितों से शोसल मीडिया पर अपनी पोस्ट भी करवाई जारही है।

भाजपा और कांग्रेस की चकलस में निर्दलीय उमीदवार कूट सकते है चांदी।

श्योपुर नगर में नगर पालिका चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस द्वारा टिकिट वितरण में की गई अनदेखी के चलते भाजपा और कांग्रेस के असंतुष्ट कार्यकर्ता जहा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में वार्डो से पार्षद का चुनाव लड़ रहे है वही भाजपा और कांग्रेस में टिकट की दावेदारी कर रहे दावेदारों को टिकिट नही दिए जाने से उपजे आक्रोश के चलते नगर पालिका चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के समीकरण बिगड़ने की आशंका जताई जारही है। जहा नगर पालिका चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के समीकरण अगर बिगड़े तो निर्दलीय प्रत्याशी कूट सकते है चांदी जहा अब सच क्या है यह तो आने वाले दिनों में ही पता चल सकेगा।

ग्वालियर पुलिस ने चलाया "सायबर काईम अवेयनेस" प्रोग्राम

जीवाजी यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ मेंअध्ययनरत छात्र-छात्राओं को सायबर अपराधों से बचाव के संबंध में दी जानकारी

ग्वालियर। 29.06.2022। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसेके निर्देश पर चलाये जा रहे ''सायबर काईम अवेयनेस'' प्रोग्राम के तहत आज दिनांक कोरहे ''इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ जीवाजी यूनिवर्सिटी''ग्वालियर में सायबर क्राईम अवेयरनेस विषय पर एक सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमें अकैडमी के कार्यालयीन स्टाफ एवं अध्ययनरत लगभग 120 छात्र-छात्राओं ने सेमीनार में भाग लिया। इस सेमीनार का प्रारंभ अति0 पुलिस अधीक्षक (शहर-पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डौतिया द्वारा अपने उद्बोधन से किया गया। एएसपी क्राईम द्वारा सेमीनार में उपस्थित सभी कॉलेज स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं को सायबर अपराधों से जुड़ी विभिन्न केस स्टडीज से अवगत कराया। उन्होने वर्तमान में पुलिस के पास आने वाली सायबर अपराध संबंधी शिकायतों को साझा किया। जिनमें उनके द्वारा मुख्यतः सेक्सट्रार्सन, सोशल मीडिया फ्रॉड, कॉल सेंटर के माध्यम से फ्रॉड, लॉटरी फ्रॉड आदि के संबंध मे व्याख्यान दिया गया। सेमीनार में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं को एएसपी क्राईम द्वारा स्मारर्टफोन को उपयोग करते समय कौन-कौन सी सावधानियां बरतें इस विषय पर भी प्रकाश डाला गया साथ ही उनको सायबर अपराधों से बचने के उपायो से भी अवगत करायाऔर प्रोत्साहित किया।सेमीनार में उपस्थित ग्वालियर सायबर सेल प्रभारी उनि रजनी सिंह रघुवंशी द्वारा सेमीनार में उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा संस्थागत कर्मचारियों को फायनेंशियल फ्रॉड, ओटीपी फ्रॉड, यूपीआई फ्रॉड, जॉव फ्रॉड, मेट्रोमोनियल फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, स्टॉकिंग, बुलिंग, रेनसमवेयर, मालवेयर आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी दी एवं ग्वालियर पुलिस द्वारा सायबर अपराधों की रोकथाम के लिये किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया। सायबर काईम अवेयनेस की ओर ग्वालियर पुलिस द्वारा प्रारंभ किये गये प्रोग्रामों का मुख्य उद्देश्य आने वाली नवीन पीढ़ी को सायबर अपराधों के प्रति जागरूक करना है। जिससे भविष्य में सायबर संबंधी अपराधों पर पूर्णतः रोक लगाई जा सके।

इस सेमीनार में अति0 पुलिस अधीक्षक शहर-पूर्व/अपराध के साथ-साथ प्रभारी सायबर सेल उनि0 रजनी सिंह रघुवंशी, उनि धर्मेंन्द्र शर्मा सायबर क्राईम, ग्वालियर, आर. कपिल पाठक सायबर सेल, ग्वालियर तथा इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ जीवाजी यूनिवर्सिटी ग्वालियर के डीन डॉ. संजय कुलश्रेष्ठ, एचओडी लॉ डिपार्टमेन्ट डॉ. गनेश दुबे, असिस्टेन्ट प्रोफेसर डॉ. जे.के. तिवारी मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

हमारे पुरखों ने हमें मजबूत विचारधारा दी है: वानथी श्रीनिवासन

छत्तीसगढ़। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती वानथी श्रीनिवासन व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह व महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत ने चंपारण में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के प्रथम सत्र का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष शालिनी राजपूत जी के उद्बोधन के उपरांत महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती श्रीनिवासन ने महिला कार्यकर्ताओं के समक्ष चुनौती व राजनीतिक और व्यक्तिगत जीवन में समन्वय विषय पर अपने उद्बोधन में कहा कि मातृशक्ति अपने परिवार से लेकर राष्ट्र के नव निर्माण में जो योगदान करती है वह निश्चित ही अनुकरणीय है। परिवार से समाज, समाज से संगठन के मजबूती के लिए भाजपा महिला कार्यकर्ता हमेशा समर्पित रहती हैं। यह सुखद अवसर है कि हमारे समक्ष राष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए ने एक सशक्त महिला शक्ति के रूप में श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को चुनाव समर पर उतारा है। वह हम सबका प्रतिनिधित्व विजय उपरांत कर पूरी दुनिया में मातृशक्ति का प्रतिनिधित्व करेगी इसके लिए हम उन्हें हार्दिक शुभकामना प्रेषित करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे समक्ष कई चुनौतियां है जिसे लांघना हमारी दक्षता का हिस्सा है। व्यक्तिगत जीवन से समय निकाल कर सामाजिक जीवन में राष्ट्र निर्माण के लिए हम सब जो योगदान दे रही हैं वह अन्य दल में संभव नहीं हैं। भाजपा में राजमाता

सिंधिया, सुषमा स्वराज जैसी कई महिला शक्तियां हमारी प्रेरणा रही है। हमें सदैव चुनौतियों से लड़कर मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए सदैव गतिमान रहना होगा।

भाजपा का अतीत और भविष्य दोनों मजबूत- डॉ. रमन सिंह: प्रशिक्षण शिविर के भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भाजपा का इतिहास व विकास विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा का अतीत व भविष्य दोनों ही मजबूत व प्रेरणादायी है। जब भी मातृशक्ति ने समाज में उन्नति व परिवर्तन का संकल्प लिया है उसकी वह अगुवाईकर्ता बन गई है। महिला मोर्चा एक मजबूत व वैचारिक संगठन है जिसकी कार्यकर्ता हमेशा संकल्पभाव से हर परिस्थितियों में अनवरत गतिमान रहती है। हमारे पुरखों ने हमें भाजपा की मजबूत विचारधारा के प्रति कार्य करने की जो शिक्षा दी है उस दिशा में हमें हमेशा कार्य करते रहना होगा। नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय सत्र में भाजपा सरकार की उपलब्धियां व प्रदेश की कांग्रेस सरकार की नाकामियों पर चर्चा करते हुए कहा कि 15 वर्षों में प्रदेश के विकास के लिए

हमने जो कार्य किए है उसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है। अन्न, आवास, आयुष्मान भारत योजना व उज्ज्वला ऐसी महत्वकांक्षी योजना का संचालन किया गया। जिसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जो कार्य हो रहा है वह विश्व के लोकतंत्र के इतिहास में एक आदर्श होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार को कभी भी छत्तीसगढ़ की जनमानस से कोई नाता नहीं रहा है। इस सरकार का एक मात्र उद्देश्य अपनी दिल्ली के लिए एटीएम के रूप में कार्य करना रहा है। प्रदेश में महिलाशक्ति असुरक्षित है और एक परिवार की सुरक्षा के लिए कांग्रेस की सरकार पूरी तरह से दिल्ली में ही डटी रहती है। ऐसे जनविरोधी सरकार को मातृशक्ति करारा जवाब देगी जिसके लिए हम सबको जुटना होगा। प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने व्यक्तित्व विकास विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि आपका व्यक्तित्व आपके जीवन का दर्पण होता है। भाजपा एक ऐसी वैचारिक अनुष्ठान के लिए कार्य करने वाली राजनीतिक दल है जहां कार्यकर्ता को प्रशिक्षण के माध्यम से और प्रखर व प्रवीण बनाया जाता है जिससे वह समाज जीवन में समग्रता के लिए कार्य करें। कार्यकर्ता निर्माण की संपूर्ण प्रक्रिया हमेशा व्यक्तित्व विकास के माध्यम से ही पूर्ण होता है। सांसद सुनील सोनी ने आठ वर्षों में हुए अंत्योदय प्रयत्न पर विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी दुनिया को अंत्योदय के विचार से अवगत कराया है। इन आठ वर्षों में उनके नेतृत्व में राष्ट्र के विकास को लेकर जो कार्य हुए है वह अनुकरणीय है। हर दिशा में हम मजबूत हुए हैं। विकास के अंत्योदय मॉडल को जनमानस तक पहुंचाने में हम सफल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास के जो कार्य हुए है उन्हें मातृशक्ति को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। इस मौके पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत ने स्वागत भाषण में कहा कि हम प्रदेश की महिला शक्ति विजय छत्तीसगढ़ के मजबूत संकल्प को दोहराने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। हम यहां से मिशन 2023 के लिए अधिक से अधिक मातृशक्ति को भाजपा से जोड़कर कांग्रेस को मात देने की योजना में कार्य करेंगे। जिसके लिए हम सब यहां जुटे हुए है। इस मौके पर विभा राव, चंद्रकांति वर्मा, विभा अवस्थी, चंपा देवी पवाले, मीनल चैबे, ममता साहू, सुषमा खल्को, रेखा मेश्राम, संध्या तिवारी, डॉ किरण बघेल, बिंदु महेश्वरी, कल्पोनि साहू, अंजू नायक, सीमा साहू, सोना वर्मा, किरण साहू, आशा दुबे, शीतल नायक, उर्मिला नेताम, भारती, कौशल्या, बंसल दीपिका विश्वास, अनीता नेताम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, महिला मोर्चा की पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

बागियों से परेशान बीजेपी-कांग्रेस, चुनाव में बिगाड़ सकते हैं वोट बैंक का गणित

भोपाल। प्रदेश में बागी नेताओं ने बीजेपी और कांग्रेस की परेशानी बढ़ा दी है. यह बागी नेता स्थानीय स्तर पर चुनाव के दौरान वोट बैंक का गणित बिगाड़ सकते हैं. इसके मद्देनजर बीजेपी और कांग्रेस ने निष्कासन की कार्रवाई बागियों पर शुरू कर दी है. लेकिन, इस बीच अभी भी दोनों पार्टियां मैदान में उतरे अपने रूठे साथियों को मनाने में जुटी हुई हैं. प्रदेश की 16 में से 6 नगर निगमों में बगावत के सुर सुनाई दे रहे हैं. पार्टी से बगावत कर 7 उम्मीदवार महापौर के लिए चुनाव में लड़ रहे हैं. इनमें कांग्रेस के 4 और बीजेपी के 3 बागी नेता हैं. ग्वालियर की कांग्रेस महिला मोर्चा की पूर्व जिला अध्यक्ष रुचि गुप्ता और सतना में कांग्रेस के सईद अहमद ने चुनाव लड़ने के लिए पार्टी ही बदल ली।

बागियों पर होती है सख्त कार्रवाई

गौरतलब है कि अहमद बीएसपी के टिकट पर किस्मत आजमा रहे हैं, जबकि रुचि आम आदमी पार्टी से चुनाव लड़ रही हैं. वहीं, कटनी में बीजेपी की बागी प्रीति सूरी चुनावी मैदान में निर्दलीय लड़ रही हैं. छिंदवाड़ा में कांग्रेस से बागी हुए बालाराम परतेती अब भी मैदान में डटे हैं. देवास में प्रदेश कांग्रेस महासचिव शिवा चौधरी की बहू मनीषा चौधरी निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं. रतलाम में बीजेपी से बागी होकर अरुण राव निर्दलीय महापौर चुनाव लड़ रहे हैं।

इस मामले को लेकर बीजेपी के पूर्व सांसद आलोक संजर ने कहा कि बागी भले ही एक हो, लेकिन हमारे कार्यकर्ता अनेक हैं. बागी से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि कार्यकर्ता हमेशा पार्टी की विचारधारा के तहत काम करता है. जो विचारधारा के साथ नहीं चलता है उसे नियम के तहत पार्टी 6 साल के लिए निष्कासित करती है. यह एक लंबा समय रहता है. इसलिए अधिकांश नेता और कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा में दोबारा आ जाते हैं. यदि कोई कार्यकर्ता अलग नाव में सवार होगा तो उसकी नाव डूब जाती है. पार्टी को बागियों से कोई फर्क नहीं पड़ता. वहीं, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता काम कर रहे हैं. हम निकाय चुनाव में जीत हासिल करेंगे. बागियों पर संगठन की तरफ से निष्कासन की कार्रवाई की जाती है।

नगर पालिका चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा महिला मोर्चा ने कमल मेहंदी निकालकर मतदान के लिए मातृशक्ति को जागृत किया

भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने श्री बद्रीप्रसाद की बगिया में भारत माता का पूजन माल्यार्पण कर किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित कार्यक्रम के तहत श्री बद्रीप्रसाद की बगिया में मोर्चा की जिला इकाई द्वारा नगरीय निकाय चुनाव को मध्य नजर रखते हुए कमल मेहंदी एवं अनेकों संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके माध्यम से 13 जुलाई को होने जा रहे चुनाव में सर्व समाज की मातृशक्ति महिला मतदाता अधिक से अधिक संख्या में मतदान कर अपने वार्ड के विकास के लिए भाजपा के जनप्रतिनिधियों को चुनने के लिए आव्हान किया गया द्य इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति की सदस्य कृष्णकांता तोमर ने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव सरकार की विकास की कड़ी होती हैं जहां भी उम्मीदवार हमारे सभी वार्डों में लड़ रहे हैं मातृशक्ति अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने अपना आशीर्वाद प्रदान करें द्य

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति समिति की सदस्य नगरीय निकायों की जिला प्रभारी सीमा शर्मा ने कहा की तीनों नगर पालिका और नगर पंचायतों में भाजपा का परचम फहराने के लिए महिला मोर्चा की कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करेंगी द्य

भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष आभा जैन ने कहा कि जिले की तीनों नगर पालिका 11 नगर परिषदों में महिला मोर्चा की कार्यकर्ता प्रत्येक मंडल के बूथ स्तर पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान कराने के लिए घर-घर में उनके साथ जनसंपर्क अभियान प्रारंभ करें और अपने क्षेत्र को

आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रदेश की शिवराज सरकार को मजबूती प्रदान करें द्य

भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं द्वारा सभी बहनों ने एक दूसरे के हाथ की हथेली पर कमल का फूल निकालकर महिलाओं को मतदान कराने के लिए जागृत किया और वही भारत माता के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित माल्यार्पण कर उनका पूजन किया द्य लहार नगर पंचायत में भी कमल मेहंदी का कार्यक्रम नीलम शर्मा मंडल अध्यक्ष द्वारा किया गया द्य इस अवसर पर भाजपा महाराणा प्रताप मंडल के अध्यक्ष शेरू पचौरी नागरिक सहकारी बैंक की पूर्व अध्यक्ष उषा नगरिया जिला मंत्री पिंकी शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गीता राजावत विनीता सोनी जिला महामंत्री आरती पाठक, सरोज श्रीवास्तव पूर्णिमा भदौरिया अनीता चोपड़ा कमलेश जुनेजा कमलेश जुनेजा, रेखा अग्रवाल, सरोज पांडे सुषमा दुबे ,मुन्नी पाराशर मुन्नी नरवरिया ,श्यामवती प्रजापति, उमा कुशवाहा पुष्पा पोरवाल,पूजा जैन रामवती श्रीवास सानू जैन यश जैन प्रमुख उपस्थित रहे

चयनित शिक्षकों को भेजा ईमेल आईडी पर नियुक्ति आदेश

एक सत्र में दो डिग्री और सह विषय के कारण रोक दी थी नियुक्ति

भोपाल। शिक्षक पात्रता परीक्षा 2018 के चयनित अभ्यर्थियों को उनके ईमेल आईडी पर नियुक्ति आदेश भेज दिए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने आदेश जारी कर दिया है। उन अभ्यर्थियों को आदेश जारी किया गया है। एक सत्र में दो उपाधि से संबंधित प्रकरणों में निर्णय लिया गया है कि एक डिग्री स्वाध्यायी / पत्राचार / दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से और दूसरी डिग्री नियमित होने की स्थिति में मान्य की जाएगी। दोनों डिग्री स्वाध्यायी / पत्राचार / दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से होने की स्थिति में अभ्यर्थी की पात्रता मान्य की जाएगी। परीक्षा में एटीकेटी के कारण एक सत्र में दो नियमित डिग्रियां अर्जित होने की स्थिति और एटीकेटी की अंकसूची में अंकित सत्र / वर्ष के कारण हो रही है, तो ऐसे अभ्यर्थी भी पात्र होंगे। सह विषय तभी मान्य किए जाएंगे जब स्नातक स्तर पर क्वालीफाई विषय से डिग्री प्राप्त की हो। मालूम हो कि उच्च माध्यमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षक की भर्ती के दौरान दस्तावेज सत्यापन में कुछ अभ्यर्थियों को अमान्य किया गया था। इस संबंध में अमान्य प्रकरणों के निराकरण प्रावधिक ग्रुप से चयनित और प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए समिति गठित की गई थी। इसके बाद निराकरण किया गया। इसके बाद 601 शिक्षकों को 11 और 12 मई 2022 को दोबारा दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था। ऐसे दो डिग्री और सह विषय वाले 601 चयनित शिक्षकों को नियुक्ति आदेश जारी किया गया है।

महेंद्र मुणोत ने विद्यार्थियों को पाठ्य साम्रग्री का किया वितरण

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुर – दिनांक 29 जून शिवगंगे स्थित वनगवी मठ में विद्यार्थियों को विजयनगर मारूति मेडिकल के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने पाठ्य सामग्री एवं नोटबुक्स का वितरित किया ।इस अवसर मठाधीश के पदाकारीयों एवं शिक्षकों ने महेंद्र मुणोत को धन्यवाद दिया । सैकड़ो विद्यार्थियों ने पाठ्य सामग्री पाकर खुशी हाहिर की।

हर माह कटने से बचेंगे एक लाख से ज्यादा पेड़

पूरी तरह पेपरलेस होगा बिलिंग सिस्टम

बिजली कंपनी को होगी 22 लाख रुपए की बचत, 1.40 करोड़ लीटर पानी भी बचेगा

भोपाल। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी यह घोषणा कर चुकी है कि वह आने वाले दो माह में 15 जिला मुख्यालयों में बिलिंग सिस्टम को पूरी तरह से पेपरलेस कर देगी। कंपनी 15 जिला मुख्यालय के बिजली बिल में लगने वाले कागजों की खपत को खत्म कर एक माह में ही ना केवल 1 लाख पेड़ कटने से बचाएगी, बल्कि 1.40 करोड़ लीटर पानी भी वेस्ट होने से बचेगा।पर्यावरण विशेषज्ञ व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व मुख्य प्रयोगशाला अधिकारी डॉ. डीके वाघेला ने बताया कि एक टन ए-4 साइज का पेपर बनाने के लिए 17 पेड़ काटना पड़ते हैं। वहीं बिजली कंपनी पेपरलेस बिल सिस्टम लागू करने से 14 लाख पेपर की हर माह बचत करेगी। इस हिसाब से देखें तो 14 लाख पेपर का वजन 6 हजार 104 टन होता है। इतने टन पेपर बनाने के लिए लगभग 1 लाख 3 हजार 768 पेड़ काटेंगे। कंपनी पेपर लेस बिल योजना से इतने ही पेड़ हर महीने काटने से बचाएगी।

1.40 करोड़ लीटर पानी की होगी बचत

पर्यावरण विशेषज्ञों की माने तो कागज की एक ए-4 साइज शीट बनाने के लिए 10 लीटर पानी का उपयोग किया जाता है। इस तरह बिजली कंपनी हर माह 1.40 करोड़ लीटर पानी को वेस्ट होने से बचाएगी। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि अगर कागज बनाते समय पानी का पुनः उपयोग नहीं किया जाए तो पानी की यह वैल्यू डबल से ज्यादा हो जाएगी। बता दें कि एक पेड़ सालाना 117 किलोग्राम ऑक्सीजन पैदा करता है और 22 किलोग्राम कार्बन सोख लेता है।

चार साल के बच्चे को हो गया मोतियाबिंद, सर्जरी कर निकाला

हादसे में तीन महीने के बच्चे का फट गया था कार्निया

भोपाल। तीन महीने के एक बच्चे की आंख का एक दुर्घटना में कार्निया फट गया था। उसके बाद उसे आंख में दिखना बंद हो गया। बच्चे की आंख में मुनगा की फली गिर गई थी। इस घटना के चार साल बाद हमीदिया अस्पताल के नेत्र विभाग के डॉक्टरों ने बच्चे की सर्जरी की और मोतियाबिंद को निकाल दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक चार साल का भूपेंद्र नरसिंहगढ़ का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद उसकी आंख में पूरा सुधार हो जाएगा और उसकी आंख में रोशनी आ जाएगी।

आठ साल के पहले इस तरह से बने मोतियाबिंद को नहीं निकाला जाए तो रोशनी नहीं लौटती है। सर्जरी करने वाली टीम में नेत्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डा. अदिति दुबे, सीनियर रेसीडेंट डा. मनीषा और पीजी छात्र डा. नितिन शामिल थे।

हमीदिया अस्पताल में साढ़े चार करोड़ रुपये से लगाया गया है गामा कैमरा दो साल बाद फिर से शुरू हो गया है।

वार्षिक रखरखाव के लिए मरम्मत नहीं होने की वजह से कैमरा शुरू नहीं हो पा रहा था। इसके बाद मरम्मत के लिए अनुबंध किया गया था। इसी आधार पर एटामिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड ने परीक्षण के तौर पर गामा कैमरा को चलाने के बाद मरीजों की जांच व इलाज के लिए इसके उपयोग की अनुमति दे दी है।गामा कैमरा से लिवर, किडनी, हृदय में ब्लाकेज, विभिन्न तरह के कैंसर की जांच की जाती है।

थायराइड कैंसर की जांच और इलाज भी गामा कैमरा से किया जाता है। हमीदिया अस्पताल में गामा कैमरे से होने वाली जांच निशुल्क हैं, जबकि निजी अस्पतालों में जांच पर 15 हजार रुपये से लेकर 20 हजार रुपये तक खर्च होते हैं। बता दें कि दो साल से गामा कैमरा बंद पड़ा था। इसकी बड़ी वजह गांधी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की लापरवाही थी। प्रबंधन ने वार्षिक रखरखाव के लिए किसी भी कंपनी से अनुबंध ही नहीं किया था। अनुबंध नहीं होने के कारण एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड से कैमरा शुरू करने की अनुमति नहीं मिल रही थी।

पश्चिम मध्य रेलवे 33 यात्री कोचों का उपयोग कर रही विशेष ट्रेनों में

123 मोबाइल आइसोलेशन कोच फिर दौड़ने लगे पटरी पर

भोपाल। जानलेवा कोरोना वायरस महामारी के दौरान बनाए गए 123 मोबाइल आइसोलेशन कोच पुनः पटरी पर दौड़ने लगे हैं। इनमें से पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 33 को यात्री कोचों का विशेष ट्रेनों में उपयोग किया जाने लगा है। वहीं 90 को माल परिवहन कोच में बदला है। इन्हें न्यू माडिफाइड गुड्स हाइस्पीड (एनएमजीएच) कोच भी कहते हैं, जिनमें चार पहिया वाहनों का परिवहन किया जा रहा है। रेलवे के निर्देश है कि जिन कोचों के निर्माण की अवधि 18 वर्ष से कम है, उन्हें यात्री कोचों के रूप में उपयोग किया जाए। कोशिश करें कि इन्हें नियमित ट्रेनों की तुलना में साप्ताहिक ट्रेनों में उपयोग

किया जाए।

जिन कोचों के निर्माण की अवधि 18 वर्ष से अधिक हो चुकी है उन्हें माल परिवहन करने वाले कोचों में बदला जाए और फिर उनका उपयोग किया जाए। ऐसे कोचों को चार पहिया वाहनों के परिवहन के लिए उपयोग करें। भारी वस्तुओं के परिवहन में उपयोग न करें। जिन कोचों के निर्माण की अवधि 18 वर्ष से अधिक हो चुकी है लेकिन उनकी स्थिति माल परिवहन कोच में उपयोग करने योग्य नहीं हैं, ऐसे कोचों को रेल कोच रेस्टोरेंट में उपयोग करें। मालूम हो कि इन कोचों को कोरोना की पहली लहर में मोबाइल आइसोलेशन कोच के रूप में तैयार किया था। जिनमें संक्रमितों को भर्ती करने के लिए तैयार किया था।

इनमें अलग-अलग कंपार्टमेंट बनाए थे। आक्सीजन सिलेंडर, दवाइयां, डाक्टरों के केबिन की व्यवस्था थी। भोपाल रेल मंडल ने इस तरह के 50 कोच तैयार किए थे। जिनमें से एक रैक का उपयोग दिल्ली में कोरोना संक्रमितों को भर्ती करने में किया था तो दूसरे रैक को भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म-छह पर खड़ा किया था। जिनमें संक्रमितों को भर्ती किया गया था। ये इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आइसीएफ) चेन्नई द्वारा निर्माण किए गए कोच थे, जिन्हें आइसीएफ कोच भी कहते हैं। प्रत्येक कोचों को मोबाइल आइसोलेशन कोच के रूप में तैयार करने के लिए 1.75 लाख खर्च हुए थे। इन्हें निशातपुरा रेल डिब्बा पुनः निर्माण कारखाना में रेलकर्मियों ने विषम परिस्थितियों में तैयार किया था।

इस बारे में पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी राहुल जयपुरिया का कहना है कि रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मोबाइल आइसोलेशन कोचों का उपयोग शुरू कर दिया है। इसमें रेलवे को मदद मिल रही है। कोरोना महामारी के दौरान इन कोचों को संभावित चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया था। काफी हद तक इनका उपयोग भी किया गया था। सभी राज्यों द्वारा अस्पताल व उनमें बिस्तरों का विस्तार कर लिया है, जिसके बाद कोचों को वापस मूल कामों में उपयोग किया जाने लगा है।

ग्वालियर के विकास और प्रगति के लिए अब बदलाव की जरूरत है : कमलनाथ

ग्वालियर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा है कि ग्वालियर के विकास और प्रगति के लिये अब बदलाव की जरूरत है। मैं ग्वालियर के मतदाताओं से आव्हान करता हूँ कि कांग्रेस के महापौर व पार्षद उम्मीदवारों को चुनकर इतिहास रचें और ग्वालियर का सुनहरा भविष्य तय करें। श्री कमलनाथ आज फूलबाग पर आयोजित कांग्रेस की विशाल जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे।

इस मौके पर महापौर प्रत्याशी डॉ.श्रीमती शोभा सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस की परिषद बनने पर हम गार्बेज शुल्क खत्म करेंगे और जल्कर की बकाया राशि को माफ करते हुये सम्पत्ति कर के स्लैब में परिवर्तन कर आम लोगो को राहत देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है उस पर खरा उतरने के लिये पूरी कांग्रेस एकजुट होकर मेरे साथ खडी हैं। कार्यक्रम में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, नेता प्रतिपक्ष डॉ.गोविन्द सिंह, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, पूर्व मंत्री मुकेश नायक, पूर्व मंत्री बालेन्द्र शुक्ल, पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अशोक सिंह, पूर्व सांसद रामसेवक सिंह ''बाबूजी'', विधायक प्रवीण पाठक, विधायक वैजनाथ सिंह कुशवाह, प्रदेश कांग्रेस महासचिव सुनील शर्मा, वरिष्ठ नेता चन्द्रमोहन नागौरी, वरिष्ठ कांग्रेसनेत्री रश्मि पवार शर्मा एवं जिला

कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा आदि मंचासीन रहें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने फूलबाग मैदान पर उमडे जन सैलाब को सम्बोधित करते हुये कहा कि अनेकता में एकता की भारतीय संस्कृति है जो हमे हर समाज को जोडकर रखती है। हम वीरांगना लक्ष्मीबाई और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को प्रणाम करते है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर ने संविधान का निर्माण किया, ऐसा संविधान जो सभी वर्गो के हितों को सुरक्षित रखता है। अगर यह संविधान गलत हाथों में चला गया तब स्थिति भयाभव हो जायेगी। उन्होने मुख्यमंत्री शिवराज चौहान को आडे हाथों लेते हुये कहा कि शिवराज सरकार ने अगर कुछ दिया है तो मंहगाई, बैरोजगारी, घर घर दारू की दुकान। आज नौजवान रोजगार के लिये भटक रहा है, किसान व्यापारी परेशान है, गरीब के हित में कोई निर्णय नही लिया जा रहा है। ग्वालियर में लम्बे समय से भा.ज.पा. निगम में इसने गरीबो को राहत देने के बजाय हर तरह के टैक्स बढ़ाये है, जिन्हें हम समीक्षा कर संशोधन करेंगे और अनावश्यक लगाये गये टैक्स खत्म करेंगे। उन्होंने कहा कि आज मिलावटखोर, माफिया का साम्राज्य है। उन्होंने कहा कि हम 100 रूपये में 100 यूनिट बिजली दे रहे थे आज बिजली की हालत क्या है। अनेक गौशालओं का निर्माण कराया लेकिन हमारी सारी सभी अच्छी योजनाओं को बन्द कर दिया। विधायक वैजनाथ सिंह कुशवाह, विधायक प्रवीण पाठक, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्वालियर में इस बार कांग्रेस का महापौर और परिषद बनेगी। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र शर्मा ने सभी पार्षद एवं महापौर उम्मीदवार को जनसेवा करने की शपथ दिलाई।

गंदगी फैलाने वाले से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। वार्ड नंबर 13 के स्वास्थ्य अधिकारी श्री कृष्ण शर्मा के द्वारा तानसेन नगर में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कबाड़ी के दुकान द्वारा गंदगी फैलाने पाए जाने पर 1000 का जुर्माना वसूला गया एवं स्वच्छता रखने की समझाइश दी गइ। अन्य जगह भी पर गंदगी पाये जाने पर 500 रूपये का जुर्माना वसूल किया। कार्यवाही में एसआई श्री रवि करोसिया, डब्ल्यूएचओ श्री जीवन यादव, सहायक श्री भोला गोहर उपस्थित रहे ।

स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट और नगरीय निकाय के कार्य अच्छी तरह चलें, इसके लिए स्मार्ट निगम परिषद जरूरी: सुमन शर्मा

ग्वालियर को स्मार्ट सिटी का स्वरूप देने में ग्वालियर नगर निगम की अहम भूमिका निभाने भाजपा की महापौर प्रत्याशी ने मांगा जनआशीर्वाद

ग्वालियर। ग्वालियर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए स्मार्ट नगर निगम परिषद जरूरी है और यह सिर्फ भाजपा ही दे सकती है। करीब पांच साल पहले ग्वालियर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 2250 करो? रुपए से 71 प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का लक्ष्य लिया गया था, जिनमें से तमाम महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट जहां पूरे हो चुके हैं वहीं कुछ पर काम चल रहा है। ग्वालियर को स्मार्ट सिटी का स्वरूप देने में ग्वालियर नगर निगम की अहम भूमिका है। मेरा वादा है कि 6 जुलाई को जन आशीर्वाद मिलने के साथ ही ग्वालियर को स्मार्ट सिटी बनाना मेरी प्राथमिकता होगी। यह बात महापौर पद की भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने आज वार्ड क्रमांक-51 में

जनसंपर्क के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कही। इस अवसर पर पार्षद प्रत्याशी अनीता राजेंद्र शर्मा पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, मंडल अध्यक्ष चेतन मंडलोई, बृजेंद्र सिंह जादौन, घनश्याम पिपरिनिया, गिरिजा गर्ग, मोहन गर्ग, सुमन जादौन, माधव प्रजापति, पप्पू जायसवाल, रूकमणि जोशी, सुल्तान बघेल, महेश तोमर सहित अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

भाजपा की महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने आज कोठेरा कोठी, बिजलीघर, बजरिया, खटीक का मोहल्ला, धोबी चैक में भाजपा पार्षद प्रत्याशी अनीता राजेंद्र शर्मा के साथ सघन जनसंपर्क करते हुए क्षेत्रीय आमजन से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता अशोक पटसारिया, सुसेंद्र परिहार, अनूप शर्मा, जितेंद्र समाधिया, मोनू सिकरवार, वीरेंद्र तिवारी, बिलौआ वाले पंडित जी, जयंत शर्मा, वीरेंद्र तोमर, बलवीर रावत, महेश शर्मा, विनोद, रितु जैन सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ूगा: मनोज तोमर

महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा के साथ किया वार्ड 55 में जनसंपर्क

ग्वालियर। वार्ड 55 के भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी मनोज तोमर ने

मतदाताओं से संपर्क करते हुए कहा कि आप सब मेरे ऊपर विश्वास रखें मैं वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा। बुधवार को पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मनोज तोमर के समर्थन में गुड़ी गुड़ा का नाका तिराह, सुदर्शन बिहार कॉलोनी, ईश्वर बिहार कॉलोनी, प्रजापति मोहल्ला, कुशवाह मोहल्ला में जनसंपर्क किया। वहीं भाजपा से महापौर पद की प्रत्याशी सुमन शर्मा ने आमखों कार्यालय से पूरे क्षेत्र में जनसंपर्क कर मतदाताओं से बातचीत की। इस अवसर पर उपस्थित जनता और कार्यकर्ताओं ने उनका जगह-जगह फूल माला पहनाकर एवं आतिशबाजी चलाकर स्वागत किया।

ग्वालियर-चंबल संभाग में हरियाली अमावस्या के दिन वृक्षारोपण के लिये चलेगा महाअभियान

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

संभाग स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक

ग्वालियर। ग्वालियर-चंबल संभाग की हर पंचायत एवं नगरीय क्षेत्र के हर वार्ड में हरियाली अमावस्या के दिन सघन वृक्षारोपण के लिये चलेगा महाअभियान । पंचायत स्तर पर और वार्ड स्तर पर जन सहयोग के साथ-साथ शासकीय प्रयासों से भी वृक्षारोपण किया जायेगा । वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल के लिये भी सौंपी जायेंगीं जिम्मेदारियाँ । उक्त निर्देश संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बुधवार 29 जून को आयोजित संभाग स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में दिए।

संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने अंकुर अभियान की समीक्षा की। उन्होने निर्देशित किया है कि सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय क्षेत्र के वार्डों में सघन वृक्षारोपण अभियान बरसात के मौसम में चलाया जाए। महाअभियान के रूप में हरियाली अमावस्या 28 जुलाई को सघन वृक्षारोपण का कार्य हाथ में लिया जाए।

संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने संभाग स्तरीय अधिकारियों से भी कहा है कि वे अपने-अपने विभाग के जिला कार्यालयों को भी निर्देशित करें कि शासकीय कार्यालयों और शासकीय भूमि पर भी वृक्षारोपण का कार्य हाथ में लें। वृक्षारोपण करने के साथ-साथ उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी कर्मचारियों को सौंपी जाए। उन्होंने यह भी कहा है कि अंकुर अभियान के तहत वृक्षारोपण का जो अभियान चलाया जाए उसमें अधिक से अधिक जनभागीदारी हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए।

संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिला कलेक्टरों से भी अपेक्षा की है कि वे अपने-अपने जिले में अंकुर अभियान के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण का कार्य हाथ में लें और सम्पूर्ण शासकीय अमले के साथ-साथ आमजनों को भी वृक्षारोपण जैसे पुनीत कार्य में भागीदार बनाएँ।

नगरीय निकाय निर्वाचन की सभी तैयारियाँ समय रहते करें पूर्ण

संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बैठक में नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022 की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी नगरीय निकायों में 6 जुलाई को होने वाले मतदान की सभी तैयारियाँ समय रहते पूर्ण करें। उन्होंने यह भी कहा है कि बरसात के मौसम को देखते हुए तैयारियाँ की जाएँ। किसी भी मतदान केन्द्र पर बरसात के कारण कोई परेशानी नहीं होना चाहिए।

अपने धर्म और भगवान पर विश्वास और आस्था होना बहुत जरूरी है: मुनिश्री

मुनिश्री गुड़गुड़ी का नाका दिगंबर जैन मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ।

मुनिश्री विनय सागर महाराज व क्षुल्लक श्री समर्पण सागर महाराज का भव्य संत मिलन हुआ।

ग्वालियर। विपरीत स्थिति आते ही ज्यादातर लोग अपना धर्म छोड़ इधर-उधर भटकने लग जाते हैं, जो यह दर्शाता है कि तुम्हें अपने धर्म और भगवान पर भरोसा नहीं है। आपका इधर-उधर भटकना कोई पाप नहीं है किंतु ऐसा कर आप अपने धर्म और भगवान का अपमान जरूर कर रहे हो। इसलिए सबसे पहले अपने धर्म और भगवान पर विश्वास और आस्था होना बहुत जरूरी है। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज बुधवार को गुड़गुड़ी का नाका स्थित दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश के दौरान धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही !

मुनिश्री ने कहा आपके अंदर इतनी श्रद्धा और आस्था होनी चाहिए कि यदि

मुझे मरना भी पड़े तो मर जाऊंगा किंतु मन में तनिक भी संशय नहीं बल्कि अटूट श्रद्धा होनी चाहिए। ऐसी श्रद्धा जिस श्रद्धालु के अंदर धर्म और भगवान के प्रति होगी, उसका दुनिया की कोई भी शक्ति बांल-बांका नहीं कर सकती। उन्होंने यह भी कहा कि संकट के समय भगवान याद आते हैं। यदि केवल संकट के समय भगवान को याद करते हो तो फिर तुम्हारा संकट कम हो ही नहीं सकता। इसलिए हम सभी को अच्छे-बुरे सभी समय में भगवान की भक्ति करते रहना चाहिए।

मुनिश्री पहुचे महोत्सव के लिए गुड़गुड़ी नाका, हुआ क्षुल्लकश्री से भव्य मिलन

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री विनय सागर महाराज हेमसिंह की परेड से गुड़गुड़ी का नाका स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर पहुचे। जहाँ मुनिश्री विनय सागर महाराज व क्षुल्लक श्री समर्पण सागर महाराज का भव्य मिलन हुआ। दोनों संतों आगवानी मंदिर समिति के सतीश जैन, मुकेश जैन, पंडित चंद्रप्रकाश जैन, अनुराग जैन, नरेंद्र जैन सोनू, राजेश जैन लाला, राजीव जैन आदि ने की।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय निकाय आम निर्वाचन-2022

सुरक्षा बल को ठहराने के लिये पाँच संस्थानों के परिसर अधिग्रहीत

ग्वालियर। त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय आम निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये बाहर से आने वाले सुरक्षा बल को ठहराने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने पाँच संस्थानों के परिसर अधिग्रहीत करने का आदेश जारी किया है। उन्होंने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा के तहत इस आशय का आदेश जारी किया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र बिलौआ से संबंधित सुरक्षा बल को ठहराने के लिये आरएसएसी कॉलेज ग्वालियर, मालवा कॉलेज ग्वालियर व आईटीएम यूनिवर्सिटी तुरारी कैम्पस को अधिग्रहीत किया गया है। इसी तरह डबरा थाना क्षेत्र से संबंधित पुलिस बल के लिये शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज डबरा का अधिग्रहण किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा ग्वालियर नगर निगम के लिये व्यय प्रेक्षक नियुक्त

ग्वालियर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिक निगम ग्वालियर में पार्षद एवं महापौर का चुनाव ल? रहे अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय लेखा के प्रेक्षण के लिये सेवानिवृत्त उपायुक्त श्री वही एस भदौरिया को निर्वाचन व्यय प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। श्री भदौरिया नगर पालिक निगम ग्वालियर के निर्वाचन के दौरान 3 जुलाई से 6 जुलाई तक अभ्यर्थियों के व्यय लेखा के प्रेक्षण के लिये ग्वालियर में मौजूद रहेंगे। व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया का मोबाइल फोन नम्बर 9826511511 है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निर्वाचन व्यय प्रेक्षक श्री भदौरिया के साथ निर्वाचन कार्य की लाइजिनिंग के लिए राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के लेखा अधिकारी श्री अनिल सक्सेना (मोबा. 9425122810) को लाइजिनिंग अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी है।

चुनाव मोबाइल एप में मिलेगी चुनाव संबंधी जानकारी

ग्वालियर। नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन वर्ष-2022 के लिए मतदाता एवं अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु «चुनाव» मोबाइल एप (एंड्राइड आधारित) को अद्यतन किया गया है। एप के माध्यम से चुनाव संबंधी जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती हैं। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि %%चुनाव%% एप में मतदाता की जानकारी, महापौर, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्य पद के अभ्यर्थी की जानकारी मय शपथ-पत्र के सार-पत्र अनुसार उपलब्ध है। एप में महापौर, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्य के निर्वाचन परिणाम भी मिलेंगे।

शरीर को चलाने वाली शक्तियां तीन- मन, बुद्धि और संस्कार - ब्रह्माकुमार प्रहलाद भाई

पाँच दिवसीय राजयोग शिविर में खुश रहने के लिए दिए टिप्स -

ग्वालियर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सहयोग से भारतीय योग संस्थान द्वारा ग्रीन साउथ एवेन्यू में पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारम्भ हुआ। इस पाँच दिवसीय शिविर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विधालय लश्कर ग्वालियर से बी.के.प्रहलाद भाई जी को आमंत्रित किया गया। शिविर में बी.के.प्रहलाद भाई ने अपनी मधुर वाणी से जीवन में ड्डश रहने एवं राजयोग ध्यान से जीवन मे शांति प्राप्त करने हेतु प्रवचन दिए। उन्होंने बताया आज प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में खुश तो रहना चाहता है लेकिन रह नहीं पाता है उसका मूल कारण जीवन में आने वाली परिस्थितयों का स्वयं पर हावी होना। तो जीवन में परिस्थितियाँ आने पर भी हम सदा खुश रहे उसके लिए उन्होंने सभी को बताया कि यदि हम अपनी आंतरिक शक्ति को बड़ा ले तो वाहर की कोई भी परिस्थिति हम पर प्रभाव नहीं डाल सकती। राजयोग ध्यान से हम अपनी आंतरिक शक्ति को बढ़ा सकते है। इसके साथ ही उन्होंने स्वयं का परिचय देते हुए बताया कि हम स्वयं एक चैतन्य शक्ति आत्मा है। आत्मा तीन शक्तियों के द्वारा कार्य करती है।

1. मन 2. बुद्धि 3. संस्कार

आत्मा इन तीन शक्तियां द्वारा ही शरीर को चलाती है।

इसके अलावा आत्मा में सात गुण होते है।

उन्होंने आगे बताया कि हम अपनी सोच को जितना अच्छा, सकारात्मक बना सकते है उतना बनाना चाहिए। उसका अभ्यास नित्य प्रतिदिन करें स्वयं को अच्छे चिंतन दें तो आप देखेंगे की स्वयं ही आन्तरिक ड्डशी आपको अनुभव होने लग जाएगी। अंत में उन्होंने राजयोग मेडिटेशन भी करवाया जिससे सभी लोगों को गहन शांति की अनुभूति हुई । इस अवसर पर शिवपुरी लिंक रोड स्थित ग्रीन साउथ एवेन्यू के रहवासी राजेंद्र अग्रवाल, रमेश लिलमैया, सीपी किरार, गिरिजा गोयल, ओम प्रकाश कनोजिया, आनंद शर्मा, ममता अग्रवाल, सुनीता राजपूत, श्रीमती कनोजिया, ज्योति गोयल, रचना चौहान, ममता सोनी, सुधा शर्मा, मंजू तोमर, शालिनी तोमर, संस्कृति उपस्थित रहे तथा इस शिविर का सभी ने अच्छी रीती लाभ उठाया ।

वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ूगा: मनोज तोमर

महापौर प्रत्याशी सुमन शर्मा के साथ किया वार्ड 55 में जनसंपर्क

ग्वालियर। वार्ड 55 के भाजपा के पार्षद पद के प्रत्याशी मनोज तोमर ने मतदाताओं से संपर्क करते हुए कहा कि आप सब मेरे ऊपर विश्वास रखें मैं वार्ड के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा। बुधवार को पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने मनोज तोमर के समर्थन में गुड़ी गुड़ा का नाका तिराह, सुदर्शन बिहार कॉलोनी, ईश्वर बिहार कॉलोनी, प्रजापति मोहल्ला, कुशवाह मोहल्ला में जनसंपर्क किया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478